हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक: 41 ■ नई दिल्ली 18 से 24 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

शिल्पा शेट्टी का मॉलीवुड में काम ना करने की वजह का खुलासा

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए पर हुए हस्ताक्षर

द्विपक्षीय कारोबार में 34 अरब डॉलर की होगी वृद्धि

लंदन, एजेंसी। भारत-ब्रिटेन व्यापार और आर्थिक संबंधों के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में लगभग 34 अरब डॉलर की वृद्धि होगी।

इस ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के तहत, भारत ब्रिटेन के 90 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क में कटौती करेगा, जबकि ब्रिटेन 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा, जिससे सभी क्षेत्रों में शुल्क सीमा और नियामक प्रक्रियाओं में बड़ी कमी आएगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टारमर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्लभारत के साथ हमारा ऐतिहासिक व्यापार समझौता ब्रिटेन के लिए एक बड़ी जीत है। इससे पूरे ब्रिटेन में हजारों नौकरियां पैदा होंगी, व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे और देश के हर कोने में विकास को गति मिलेगी।

इस समझौते से स्कॉच व्हिस्की, जिन, लग्जरी कारें, कॉस्मेटिक और चिकित्सा उपकरण जैसे आयातित सामान भारतीय उपभोक्ताओं के लिए और अधिक किफायती हो जाएंगे।

मुक्त व्यापार समझौते के होने से भारतीय कृषि उत्पादों को जर्मनी जैसे प्रमुख यूरोपीय निर्यातकों के साथ टैरिफ समानता प्राप्त होगी। वस्त्र और चमड़े पर शून्य शुल्क से बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे क्षेत्रीय समकक्षों से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की उम्मीद है।

इस करार से भारत के चमड़ा क्षेत्र की हिस्सेदारी अगले दो वर्षों में यूके के बाजार में 5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

अनुमान के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग निर्यात 2030 तक दोगुना होने की संभावना है, जबकि रत्न और आभूषण निर्यात अगले तीन वर्षों में दोगुना (वर्तमान 941 मिलियन डॉलर से) होने की संभावना है।

अधिकारियों का अनुमान है कि इस समझौते से लंबी अवधि में भारत को यूके का निर्यात लगभग 60 प्रतिशत बढ़ जाएगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने चेकर्स एस्टेट में स्टारमर से मुलाकात कर ब्रिटेन की अपनी चौथी यात्रा पर आधिकारिक कार्यक्रम शुरू किए थे। प्रधानमंत्री मोदी स्टारमर के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। बाद में, वह किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे।

चर्चा के दौरान, दोनों पक्ष व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे, जिसमें व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

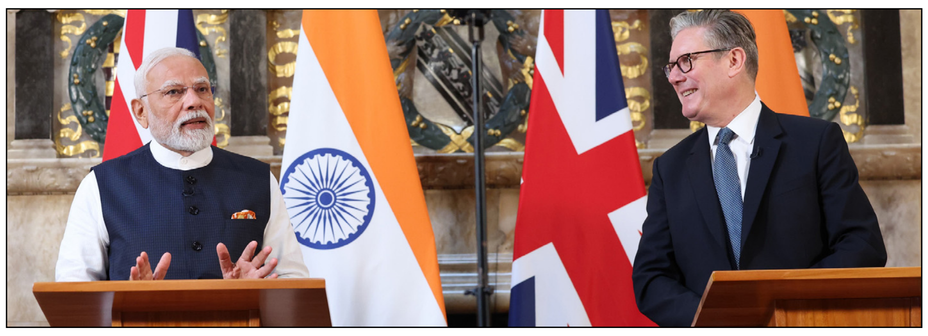

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं: भारत-ब्रिटेन

लंदन/नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन ने जोर देकर कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं है और उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग नहीं करने दिया जायेगा। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लंदन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रेस वक्तव्य में कहा कि लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। श्री मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए ब्रिटेन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता। लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को इससे बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा, आज हमारे संबंधों में एक एतिहासिक दिन है। मुझे प्रसन्नता है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद आज दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। भारतीय टेक्सटाइल्स, फुटवियर, आभूषणों, समुद्री खाद्य उत्पादों और इंजीनियरिंग उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। भारत के ऐग्रिकल्चर उत्पाद और प्रोसेस्ड फूड उद्योग के लिए ब्रिटिश मार्किट में नए अवसर बनेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता देश के युवाओं और लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योंगो के लिए खास तौर पर फायदेमंद रहेगा।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान गड़बड़ी किए जाने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को निराधार और धमकी भरा बताया है।

आयोग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कुछ तथ्यों को सभी भारतवासियों को जानना चाहिए। उसके अनुसार, कर्नाटक की मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट या मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष एक भी अपील दायर नहीं की गयी जो एक वैध कानूनी उपाय था। आयोग ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 की प्रक्रिया को लेकर दायर 10 चुनाव याचिकाओं में से एक भी चुनाव याचिका हारने वाले किसी भी कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा दायर नहीं की, जबकि यह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 80 के तहत उपलब्ध एक कानूनी उपाय था। आयोग कहा वह यह सोचने पर मजबूर है कि इस प्रकार के आधारहीन और धमकीपूर्ण आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अब क्यों लगाये जा रहे हैं?

श्री गांधी ने आज आरोप लगाया था कि आयोग संवैधानिक जिम्मेदारियों को निभाने में विफल रहा है और उसने कर्नाटक में चुनावी गड़बड़ी होने दी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग वैसे काम नहीं कर रहा है जैसा उसे करना चाहिए।

श्री गांधी ने आरोप लगाया, सच तो यह है कि चुनाव आयोग अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। अब हमारे पास कर्नाटक में एक सीट पर चुनाव आयोग द्वारा गड़बड़ी करने की अनुमति देने से 90 प्रतिशत नहीं, बल्कि शत-प्रतिशत ठोस सबूत हैं।

श्री गांधी ने कर्नाटक की एक सीट पर बड़े पैमाने पर मतदाता पंजीकरण में अनियमितता और मतदाताओं का नाम हटाये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम चुनाव आयोग को संदेश देना चाहते हैं कि अगर आपको लगता है कि आप बच निकलेंगे तो आप गलत सोच रहे हैं।

गृह मंत्रालय का नए कार्यालय परिसर में शिफ्ट होने का काम प्रगति पर

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय का सेंट्रल विस्टा में एक नए, अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में शिफ्ट होने का कार्य प्रगति पर है और अधिकांश कार्यालय नए परिसर में जा चुके हैं।

सेंट्रल विस्टा परियोजना का उद्देश्य भारत की संसद के लिए नई सुविधाओं का निर्माण करके शासन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों के लिए एक कुशल और दक्ष केंद्रीय सचिवालय का निर्माण करना है।

इस समय गृह मंत्रालय का सारा कामकाज रायसीना हिल्स स्थित ऐतिहासिक नॉर्थ ब्लॉक से संचालित हो रहा था लेकिन अब मंत्रालय ने कॉमन केन्द्रीय सचिवालय (सीएसएस) परिसर में शिफ़्ट होने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी पहले ही नए कार्यालय में शिफ्ट हो गये हैं। महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के प्रमुख घटक, सीएसएस परिसर में राष्ट्रीय राजधानी में सरकारी आधारभूत ढांचे को केंद्रीकृत और आधुनिक बनाने का लक्ष्य है। नया परिसर उन्नत सुविधाओं और बेहतर सुरक्षा युक्त है, जो आधिकारिक कार्यों के लिए अधिक कुशल कार्य वातावरण सुनिश्चित करता है।

मंत्रालय की शिफ्टिंग का काम जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस नए परिसर में कई मंत्रालयों को समायोजित कर अंतर-मंत्रालयी समन्वय बेहतर हो जाएगा।

51 हजार हो सकती है बेसिक सैलरी !

- वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का जल्द वेतनमान लागू करने का दावा

8वें वेतनमान लागू करने के लिए मैराथन बैठक

नई दिल्ली। आठवें वेतन आयोग का गठन जल्द होने जा रहा है। जनवरी 2026 तक इसे लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसे लेकर राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने जानकारी दी है कि 8th Pay Commission को लेकर राज्य सरकारों, वित्त मंत्रालय और संबंधित विभागों से परामर्श की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

इस आयोग के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन, पेंशन और भत्तों में इजाफा हो जाएगा। कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगी। साथ ही महंगाई भत्ता और फिटमेंट फैक्टर भी बढ़ेगा, जिससे कर्मचारियों और पेंशनर्स को लाभ मिलेगा। आइए समझते हैं, आपकी सैलरी कितनी बढ़ सकती है।

इस फॉर्मूले से बढ़ेगी कर्मचारियों की सैलरी

8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी में ठीक वैसे ही इजाफा होगा, जैसे 7वें वेतन आयोग (7th Pay Commission) के लागू होने पर हुआ था। कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में बढ़ोतरी के लिए एक्रोयड फॉर्मूले का उपयोग किया जाएगा।

क्या है ये फॉर्मूला?

डॉ वालेस एक्रोयड ने यह फॉर्मूला पेश किया था, जिसे जीवन के न्यूनतम लागत तय करने के लिए डिजाइन किया गया था। इस फॉर्मूले में यह बताया गया था कि एवरेज कर्मचारियों की पोषण संबंधी जरूरतों के आधार पर सैलरी का कैलकुलेशन किया जाना चाहिए। इस फॉर्मूले को बनाते वक्त भोजन, कपड़ा और मकान जैसी कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा गया था। 15वें भारतीय श्रम सम्मेलन (ILC) ने 1957 में इस फॉर्मूले को अपनाया गया था।

7वें वेतन आयोग पर भी लागू हुआ था ये फॉर्मूला

इस फॉर्मूले का उपयोग करते हुए 7वें वेतन आयोग 7th Pay Commission के तहत भी कर्मचारियों की सैलरी में इजाफा किया गया था। 7वें वेतन आयोग लागू होने के बाद कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 7000 रुपये से बढ़कर 18000 रुपये हो गई थी। कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन को अपडेट करने के लिए 2 .57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया गया था। ये फिटमेंट फैक्टर एक्रोयड फॉमूर्ला से तय किया गया था।

8वें वेतन आयोग के तहत 3 गुना बढ़ जाएगी सैलरी !

अनुमान है कि 8th Pay Commission के लागू होते ही कर्मचारियों की सैलरी में बंपर उछाल देखने को मिलेगी। बेसिक सैलरी में करीब 3 गुना बढ़ोतरी हो सकती है, जो एक्रोयड फॉमूर्ला के तहत संभव होगा। अगर ये फॉमूर्ला 8वां वेतन आयोग के तहत भी यूज किया जाता है तो सैलरी और पेंशन का कैलकुलेशन 2 .86 फिटमेंट के आधार पर होगा। इसका मतलब है कि न्यूनतम बेसिक सैलरी 18000 रुपये से बढ़कर 51480 रुपये तक हो सकती है। वहीं पेंशन 9000 रुपये से बढ़कर 25740 रुपये हो जाएगी।

सहकारिता नीति अर्थतंत्र को करेगी मजबूत : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का अनावरण करने के बाद कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है और सहकारिता के मार्ग पर चलने से देश का अर्थतंत्र मजबूत होगा।

श्री शाह ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सहकारिता मंत्रालय की अनेक उपलब्धियां रही, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आज देश की छोटी से छोटी सहकारी इकाई का सदस्य गर्व के साथ खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। वर्ष 2002 में भारत सरकार ने सहकारिता नीति में बनायी थी उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार थी और आज भाजपा सरकार द्वारा दूसरी सहकारिता नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि जो सरकार के दृष्टिकोण को, जो भारत को, उसके विकास को, और भारत के विकास के लिए आवश्यक सभी कारकों को समझता है, वही सहकारी क्षेत्र को महत्व दे सकता है। यदि देश और अर्थव्यवस्था की मूल इकाई समृद्धि रोजगार देने वाली हो तो वह आर्थिक मॉडल कभी विफल नहीं हो सकता।

श्री शाह ने कहा कि सहकारिता नीति बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि नीति का केंद्र बिंदु व्यक्ति, गाँव, कृषि, गाँव की महिलाएँ, दलित, आदिवासी हों। इसका विजन सहकारिता की समृद्धि के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना है। इसका मिशन पेशेवर, पारदर्शी, तकनीकी, ज़िम्मेदार और आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सफल लघु सहकारी इकाइयाँ विकसित करना है। हम हर गाँव में कम से कम एक सहकारी संस्था के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2027 में भारत को विश्व के तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का लक्ष्य रखा है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम इस लक्ष्य तक जरुर पहुंच जाएंगे। पिछले चार वर्षों के अंदर 'सहकारी क्षेत्र' को कॉर्पोरेट सेक्टर' के समान अधिकार मिले हैं। एक जमाने में अर्थतंत्र के जानकारों ने सहकारिता को 'डाइंग सेक्टर' घोषित कर दिया था। आज वही लोग कहते हैं कि सहकारिता का भी भविष्य है। उन्होंने कहा, 'मैं सभी को कहना चाहता हूँ कि सहकारिता का भी भविष्य है नहीं, सहकारिता का ही भविष्य है।' उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों को साथ लेकर देश का समविकास करने की क्षमता केवल सहकारिता में ही है। छोटी-छोटी पूंजी वाले अनेक लोगों को मिलाकर बड़ी पूंजी बनाकर एक उद्यम स्थापित करने की क्षमता केवल सहकारिता में है।

श्री शाह ने कहा कि नई नीति तैयार करने के लिए 48 सदस्यीय एक समिति बनी थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु ने की। इस समिति में विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सरकार के अधिकारी, सहकारी संघों के सदस्य और विशेषज्ञ शामिल थे।

श्री सुरेश प्रभु ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाया और इसकी जिम्मेदारी ऐसे शख्स को दी जो सहकारिता की बहुत अच्छे समझ रखते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय में शानदार काम हो रहा है। सहकारिता हमारी पाँच हजार साल पुरानी संस्कृति है। सहकारिता से सिर्फ देश ही विकसित नहीं होगी बल्कि व्यक्ति का भी विकास होगा।

अमेरिका ने भारत को सौंपे खतरनाक अपाचे हेलीकॉप्टर, पाक सीमा के पास होगी तैनाती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की रक्षा क्षमताओं को और मजबूती मिली है। अमेरिका से बोइंग एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का पहला जत्था आज भारत को सौंप दिया। इन अत्याधुनिक युद्धक हेलीकॉप्टरों को राजस्थान के जोधपुर में तैनात किया जाएगा, जो भारतीय सेना की सामरिक शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उपलब्धि को रक्षा क्षेत्र में एक 'मील का पत्थर' माना जा रहा है, क्योंकि ये हेलीकॉप्टर सेना को युद्धक्षेत्र में अभूतपूर्व ताकत और सटीकता प्रदान करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी एयरोस्पेस दिग्गज 'बोइंग' ने मंगलवार को भारतीय सेना को तीन अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर सौंपे। एएच-64 अपाचे दुनिया के सबसे एडवांस बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक है और इसे अमेरिकी सेना भी उड़ाती है।

सेना की मारक क्षमता में इजाफा

ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना के लिए खरीदे गए छह अपाचे हेलीकॉप्टरों की पहली खेप हैं। बता दें कि हेलीकॉप्टरों 5,691 करोड़ रुपये के सौदे का हिस्सा हैं। इनकी तैनाती जोधपुर में की जाएगी, जहां सेना ने करीब 15 महीने पहले अपना पहला अपाचे स्क्वाड्रन खड़ा किया था। सेना के अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए कहा, भारतीय सेना के लिए खरीदे गए पहले अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर भारत पहुंच चुके हैं। इन्हें जोधपुर में तैनात किया जाएगा। बचे हुई तीन हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी वर्ष 2025 के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है।

अपाचे AH-64ए गार्जियन को "आसमान का टैंक" कहा जाता है, क्योंकि ये घातक मारक क्षमता, लंबी दूरी तक अभियान चलाने की क्षमता और नेटवर्क-सेंट्रिक वारफेयर जैसी तकनीकों से लैस हैं। यह हेलीकॉप्टर विशेष रूप से उन अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है, जहां दुश्मन की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो। इसमें एडवांस नाइट विजन, हर मौसम में लक्ष्य साधने की क्षमता और श्रेष्ठ नेविगेशन सिस्टम मौजूद हैं, जो इसे किसी भी तरह के हमले या रक्षा अभियान के लिए बेहद कारगर बनाते हैं। सेना में अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती वायुसेना के साथ संयुक्त अभियानों में भी एक बड़ी रणनीतिक बढ़त मानी जा रही है। भारतीय वायुसेना पहले से ही दो स्क्वाड्रन अपाचे चला रही है- एक पठानकोट में और दूसरा जोरहाट, असम में।

डिलीवरी में हुई देरी

इस डिलीवरी में देरी वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं और बदलते भू-राजनीतिक हालातों के कारण हुई। ये हेलीकॉप्टर मई-जून 2024 तक भारत आने वाले थे, लेकिन डिलीवरी में विलंब हो गया। इन हेलीकॉप्टरों की खरीद का समझौता वर्ष 2020 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान हुआ था, जिसकी कुल कीमत लगभग 600 मिलियन डॉलर (5,691 करोड़ रुपये) थी।

गौरतलब है कि इससे पहले 2015 में भारत सरकार ने भारतीय वायुसेना के लिए 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए अलग समझौता किया था, जिसकी डिलीवरी 2020 के मध्य तक पूरी कर ली गई थी। इन नई अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती के साथ भारतीय सेना की हमलावर शक्ति और समन्वित युद्ध क्षमता को नया बल मिलेगा, खासकर पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर। इन हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात करने का निर्णय सामरिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। जोधपुर, पश्चिमी सीमा के करीब होने के कारण, एक रणनीतिक स्थान है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट है, जहां सेना को तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती से इस क्षेत्र में सेना की ऑपरेशनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

इन अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों को यूक्रेन की एंटोनोव एयरलाइंस के विशाल एंटोनोव एन-124 रुसलान द्वारा अमेरिका के एरिजोना से सीधे भारत के हिंडन एयर बेस पर लाया गया।

इस विमान पर "बी ब्रेव लाइक बुचा" लिखा हुआ था, जो यूक्रेन के बुचा शहर के साहस और प्रतिरोध का प्रतीक है। एंटोनोव एन-124 दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य परिवहन विमान है, जो भारी और विशाल कार्गो को लंबी दूरी तक ले जाने में सक्षम है।

एंटोनोव एन-124 पर लिखा "बी ब्रेव लाइक बुचा" नारा यूक्रेन के बुचा शहर की वीरता और रूसी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध को श्रद्धांजलि देता है। एंटोनोव एयरलाइंस ने अपनी विमान बेड़े को यूक्रेन के उन शहरों के नाम पर समर्पित किया है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान प्रभावित हुए। यह नारा न केवल यूक्रेनी लोगों की बहादुरी को दशार्ता है, बल्कि वैश्विक मंच पर उनकी एकजुटता और दृढ़ता का प्रतीक भी है।

अपाचे हेलीकॉप्टरों की फीचर्स

बोइंग एएच-64ई अपाचे को दुनिया के सबसे उन्नत हमलावर हेलीकॉप्टरों में से एक माना जाता है। ये हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं।

शक्तिशाली हथियार प्रणाली: हेलीकॉप्टर में हेलफायर मिसाइलें, रॉकेट और 30 मिमी ऑटोमैटिक तोप शामिल हैं, जो दुश्मन के ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम हैं।

एडवांस सेंसर और नेविगेशन: रात में और प्रतिकूल मौसम में भी ऑपरेशन की क्षमता, जिससे यह हर स्थिति में प्रभावी है।

उच्च गतिशीलता: अपाचे की डिजाइन इसे तेज और फुतीर्ला बनाती है, जो युद्धक्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आदर्श है।

आधुनिक संचार प्रणाली: यह हेलीकॉप्टर अन्य सैन्य इकाइयों के साथ समन्वय में बेहतर प्रदर्शन करता है।

एक गलती एमआरआई मशीन को ताबूत में बदल देगी, अमेरिकी कम्पनी का दावा

राजपूत रणजीत

गुजरातः एक गलती एमआरआई मशीन को ताबूत में बदल देगी, लेकिन यह सच है कि एमआरआई मशीन में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना महत्वपूर्ण है। एमआरआई मशीनें शक्तिशाली चुंबक का उपयोग करती हैं, और यदि धातु की वस्तुएं, जैसे कि इम्प्लांट या अन्य धातु की वस्तुएं, मशीन के पास लाई जाती हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। हालांकि, एमआरआई स्कैन के दौरान होने वाली मौतों की संख्या बहुत कम है, और अधिकांश एमआरआई स्कैन बिना किसी समस्या के सुरक्षित रूप से किए जाते हैं।

एमआरआई मशीनें शक्तिशाली चुंबक का उपयोग करके शरीर की छवियों को कैप्चर करती हैं। इन चुंबकों का उपयोग शरीर में मौजूद प्रोटॉन को संरेखित करने के लिए किया जाता है, जो तब रेडियो तरंगों का उपयोग करके पता लगाया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर के अंगों और ऊतकों की विस्तृत तस्वीरें बनाने की अनुमति देती है।

हालांकि, एमआरआई मशीनें बहुत शक्तिशाली होती हैं, और यदि शरीर या उसके आसपास धातु की वस्तुएं मौजूद हैं, तो यह खतरनाक हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति के शरीर में पेसमेकर या धातु के स्क्रू हैं, तो एमआरआई मशीन उन्हें खींच सकती है, जिससे गंभीर चोट लग सकती है।

यही कारण है कि एमआरआई स्कैन से पहले, रोगियों को यह सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली भरनी होती है कि उनके शरीर में कोई धातु की वस्तु तो नहीं है। यदि किसी व्यक्ति के शरीर में धातु है, तो एमआरआई स्कैन से पहले एक डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

एमआरआई स्कैन के दौरान, मरीजों को एक संकीर्ण, बंद जगह में लेटना होता है, जो कुछ लोगों के लिए चिंता या बेचैनी का कारण बन सकता है। हालांकि, यह एक सामान्य प्रतिक्रिया है, और अधिकांश लोगों के लिए, एमआरआई स्कैन सुरक्षित और दर्द रहित होते हैं।

कुल मिलाकर, एमआरआई मशीनें सुरक्षित और प्रभावी इमेजिंग तकनीक हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्कैन सुरक्षित रूप से किया जाए।धातु की वस्तुएं पास न रखें।

एमआरआई कक्ष के 5 नियम और सुरक्षा दिशानिर्देश जानेंएक गलती टफ्क्र मशीन को ताबूत में बदल देगीः इसके पास धातु की वस्तुएं न ले जाएं; जानें टफ्क्र रूम के 5 नियम और सुरक्षा गाइडलाइन

अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड स्थित एक एमआरआई सेंटर में 61 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति के गले में एक भारी धातु की जंजीर थी, जो मशीन के तीव्र चुंबकीय बल से खिंच गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

रणचार्डा गाँव में 'एक पद मान के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया

राजपूत रणजीत

गुजरातः आज कलोल तालुका के रणचार्डा गाँव में "एक पद मान के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और प्रत्येक ग्रामीण के लिए एक वृक्षारोपण की संकल्पना प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में जिला सदस्य रश्मिजी ठाकोर, कलोल तालुका संगठन के उपाध्यक्ष उमेशजी, गांधीनगर जिला युवा मोर्चा मंत्री भूलाभाई देसाई, गुजरात प्रदेश ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष महेंद्रभाई बावलिया, भाजपा नेता भरतभाई, रांचरदा गांव के सरपंच छनाजी और संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं कार्यकताओं की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया तथा सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश: शिव भक्ति में लेटकर चलता रहा कांवडिया, दो मित्रों ने निभाया साथ

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः विजय कॉलोनी निवासी निखिल कुमार सुपुत्र लाल सिंह सुपोत्र लीलूराम जी ने 4 जुलाई में भरत विहार मंदिर मां काली मां भैरवनाथ मंशा पूर्ण हनुमान शिव मंदिर सहारनपुर से प्रार्थना करके भोले का जल लेने के लिए हरिद्वार के लिए प्रस्थान किया था। उसने अपने साथ दो साथी लिए अनुज कुमार व अनुज बर्मन भोले का भक्त निखिल कुमार हरिद्वार से गंगाजल लेकर दंडवत करते हुए सहारनपुर भरत विहार कॉलोनी में 23 जुलाई शिव रात्री दिन बुधवार की शाम 6:00 बजे के आसपास शिव भक्त निखिल कुमार दंडवत करते हुए मंदिर पहुंचे जहां उनके आगमन पर शिवभक्तों का भव्य स्वागत करने के लिए आसपास के लोग जन सैलाब के रूप में एकत्रित हुए, कांवडियों के परिवार जनों ने

उनकी आरती उतार कर तिलक किया और भगवान का बहुत-बहुत धन्यवाद किया व मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की। इसी दौरान राकेश कुमार शर्मा जिलाध्यक्ष मानवाधिकार इमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन सहारनपुर अपने परिवार एंव साथियों सहित मंदिर में पहुंचे वहां उन्होंने सभी भोले साथियों का हृदय से स्वागत किया। अति बुजुर्ग भरत विहार कॉलोनी में देवी स्वरुपा संजय कुमार शर्मा की पूजनीय माता जी ने शिवभक्तों व उनके परिवार के सदस्यों को प्रेम पूर्वक आशीर्वाद दिया। मंदिर क्षेत्र में बोल बम,बम बम के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। इस शुभ अवसर पर सलिल शर्मा, निशांत वशिष्ठ, राहुल राणा, गौरव पुंडीर, सीमा देवी, मुकेश कुमारी, कविता अग्रवाल, रेनू सैनी, लाल सिंह, लीलू राम, राहुल कुमार, ठाठसिंह, अजीत सिंह, मनोज कुमार, गोपाल दास, अशोक कुमार, अंकित कुमार, बिजेंद्र कुमार, बृजपाल, वेद प्रकाश, शिवम, शुभम व सैंकड़ो श्रद्धालुओं का जन सैलाब उपस्थित रहा।

मधुपुर विधायक की खुलेआम धमकी,पीड़ित को मारने की दी धमकी

राकेश कुमार हाड़ा

झारखण्डः सरकारी स्कूल पर झारखण्ड सरकार को धयान नहीं और कर रहा है लूट। तकरीबन लाखो स्टूडेंट को भोजन कपड़ा और बुक नोट बुक पर लूट। सरकारी पेंसन पढ़ाई के लिए स्टूडेंट के हक मार रहा है। इस खेल मे विधायक और जिला पार्षद और शिक्षा मंत्री शामिल है। डी सी बीडीओ,बी. ओ,और सी. ओ.क्यो की ना स्कूल पर धयान और ना जांच और चाल रहा है। लूट शिक्षक भी बहाली फर्जी सर्टिफिकेट पर ना डिग्री जांच और ना मेडिकल टेस्ट। पारा शिक्षक को हेड मास्टर बना कर सरकारी बेतन उठा रहा और जेब भार रहा है लेकिन इस मामले मे कोई जांच नहीं जब पुलिस मित्र एरिया जनरल सेक्रेटरी राजेश कुमार यादव जांच के लिए गए तो विधायक का भी उठे। मधुपुर विधायक बोला रे तू ई डी सी बी ई जांच करायेगा रे तेरे को इतना पिटाई कराऊंगा की कोई बाप

बजावे नहीं आयेंगे ना कोई हॉस्पिटल मे भर्ती लेंगे ना कोई एम्बुलेंस मिलेंगे देवघर सी एस हाफिजूल अंसारी इरफान अंसारी वही क्या और चुना सिंह जो सोनू शाही को सुपारी दिला कर गला दबवाया। वीरेंदर शाही से ऑब्जेक्शन दिला कर फूड लाइसेंस रोकवाया और खेल विभाग मे भी स्कूल स्टूडेंट से बहुत लूट कर रहा है। शिक्षक और विधायक खेल टाइम ना फुटबॉल ना टेनिस बॉल और सरकारी योजना खेल खुद का योजना लाभ पैसे शिक्षक और विधायक और बाकी सरकारी ऑफिसर मिल कर बाट लिए जाते है। राशन भी बिक्री कर लेते है और स्टूडेंट को रेड़ी पर समोसा 4 पूड़ी जंक तेल से छाना और बकड़ा का डुबबा मे कई दिन की पानी पिलाता है। टाइम पास करा कर चला कर ले जाते है। वह पिछले वर्ष जांच मे पाया गाया प्रेस वाले मिला नहीं लोकल वही सी ओ फोन नहीं उठाया और विधायक जी कही बाहर था। वही चुनना सिंग चुनना लगा रहा था। सब स्टूडेंट से 1100 रुपए से 2000 रुपए लूट रहा था। रेजिस्ट्रेशन नाम पर और 2 विधायक यही खेल कर रहा है। खेल नाम और रेजिस्ट्रेशन नाम पर हाफिजूल अंसारी और चुनना सिंघ रणधीर सिंघ और कई विधायक और गंगानरण सिंघ और रात भार डी जे बजा कर मुर्गा बिरयानी और दारू पार्टी चलाता है और नोट खर्चा कराता है।

वडोदरा के पास जांबुआ ब्रिज पर गड्ढों के कारण फिर लगा 15 किमी लंबा जाम, वाहन चालकों की भारी परेशानी

खत्री रफाकथुसैन

गुजरातः वडोदरा के पास नेशनल हाईवे पर स्थित जांबुआ ब्रिज एक बार फिर वाहन चालकों की मुसीबत का कारण बना। ब्रिज पर गहरे गड्ढों और संकरी सड़क के कारण आज सुबह से दोपहर तक करीब 15 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे आम नागरिकों और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्राप्त जानकारी अनुसार, आज सुबह 7 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक, यानी पूरे 7 घंटे तक ट्रैफिक ठप रहा। भारी वाहनों की धीमी गति और जर्जर ब्रिज की स्थिति के कारण पीछे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ट्रैफिक जाम वसार्डा गांव तक फैल गया, जिससे सूरत की दिशा में जाने वाले वाहन बुरी तरह फंस गए। गौरतलब है कि गुजरात के इस प्रमुख नेशनल हाईवे पर कल भी छह घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही थी।

लगातार दो दिनों से हो रहे इस ट्रैफिक जाम ने प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वाहन चालकों ने टोल वसूली के बावजूद सड़क की बदहाली को लेकर नाराजगी जताई और संबंधित विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। सूत्रों ने बताया कि भरुच की ओर से आने वाला ट्रैफिक अपेक्षाकृत कम था, लेकिन जांबुआ ब्रिज से पोर की ओर जाने वाला मार्ग पूरी तरह जाम हो गया था।

ककरैत के पूर्व प्रधान नंद कुमार राय जी का असमय हुआ निधन

शिव शंकर प्रसाद

उत्तर प्रदेशः समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, जिला सचिव एवं ग्राम ककरैत के पूर्व प्रधान नंद कुमार राय जी का असमय निधन दिनांक 21 जुलाई 2025 ब्रेन हेमरेज के कारण हो गया। इस हृदय विदारक घटना से क्षेत्र और समाजवादी पार्टी में गहरा शोक व्याप्त है एक और अपना हमेशा के लिए चला गया नंद राय जी को भावभीनी श्रद्धांजलि और साथ ही वो पहले ककरैत गाँव के पूर्व प्रधान रह चुके हैं और जब वो प्रधान थे तब गाँव का अच्छा विकास होता था और वो समाजवादीपार्टी के सचिव भी रह चुके हैं। और उनकी मृत्यु से गाँव में उदासी छाया हुआ है। कई लोग तो उन्हें गाँव गरीबों का मसीहा

कहते हैं और वो हमेशा सैयदराजा विधान सभा के पूर्व विधायक श्री मनोज सिंह 'डब्ल्यू ' के साथ कार्य करते थे और दौरे पर भी जाते थे।

हरियाणा: एसपी डबवाली ने अपने कार्यालय में, होटल, पीजी व धर्मशाला संचालकों/पदाधिकारियों की मीटिंग को लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

महिपाल सिंह

हरियाणाः जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर आईपीएस ने बैठक में डबवाली के होटल,पीजी व धर्मशाला संचालकों/पदाधिकारियों से सुरक्षा के दुरूस्त प्रबंध करने व अपराध पर अंकुश लगाने के लिए दिशा निर्देशों की पालना करने बारे चर्चा की। संचालकों व प्रबंधकों से रूबरू होते हुए उन्होने कहा कि उनके यहां ठहरने वाले आगंतुकों की कम से कम दो आईडी जरुर लें। उनके यहां काम करने वाले स्टाफ का बैकग्राउंड चेक करने उपरांत ही उसे नौकरी पर रखना है और उनका कैरेक्टर वेरिफिकेशन

भी करवाना है। साथ ही कार्यरत स्टाफ का पुर्ण विवरण लें।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखते हुए अपराधियों को पकड़ने में अहम भूमिका निभाने वाले सीसीटीवी कैमरे उनके पीजी, होटल व धर्मशाला के मेन गेट और प्रांगण में लगे होने चाहिए। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग 30 दिन तक स्टोर रहनी चाहिए। साथ ही सीसीटीवी का डाटा क्लाऊड स्टोरेज में सेव करें ताकि डीवीआर गुम हो जाने या चोरी हो जाने पर भी डाटा सुरक्षित रखा जा सके। अग्निशमन यंत्र दुरुस्त हालत में होने चाहिए। रसोई के पास सारे गैस सिलेंडर एक साथ न रखें। उनके यहां पर आने- जाने वालों के वाहनों की पार्किंग का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। किसी भी नाबालिगों को उनके संरक्षक की स्वीकृति के बिना किराये पर रहने की अनुमति न दी जाए। स्टाफ के कर्मचारी कई बार बिना रिकॉर्ड चेक किए आगंतुकों को किराये पर रख लेते हैं, ऐसी कोताही न बरती जाए। आगंतुकों का रिकॉर्ड कम से कम सात साल तक सुरक्षित रखना है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा होटल,पीजी व धर्मशाला संचालकों/पदाधिकारियों को इस संबंध में संपूर्ण विवरण पूरा करने के संबंध में हिदायत दी गई।

एक नजर

पाकिस्तानी बमबारी में जुड़वां बच्चे खोए, घर तबाह, मां बोली- सबकुछ ऑपरेशन सिंदूर की वजह से हुआ

राजपूत रणजीत

पाकिस्तानः आज भी मुझे अपने बच्चों की हर रोज याद आती है। ये सब ऑपरेशन सिंदूर की वजह से हुआ। ये ऑपरेशन सीमा से सटे इलाकों में बिना किसी को बताए चलाया गया था। अगर हमें पता होता, तो हम उस दिन घर के अंदर या किसी रिश्तेदार के घर चले जाते.

गोंडल के रिबाडा में देर रात बाइक सवार दो नकाबपोशों ने किया हमला, कर्मचारी ने जयराजसिंह पर जताया शक

राजपूत रणजीत

गुजरातः राजकोट जिले के गोंडल तालुका की राजनीति एक बार फिर तनावपूर्ण माहौल में है। 24 जुलाई की रात करीब 1 बजे रिबडा गांव में अनिरुद्धसिंह जडेजा के 'रिबडा पेट्रोलियम' पर दो अज्ञात नकाबपोशों ने गोलीबारी कर सनसनी फैला दी।

गुजरात का पहला नि:शुल्क डायलिसिस केंद्र शुरू,किडनी रोगियों का होगा इलाज

राजपूत रणजीत

गुजरातः राजकोट से किडनी रोगियों के लिए राहत भरी खबर,राजकोट नगर स्वास्थ्य केंद्र में गुजरात का पहला निःशुल्क डायलिसिस केंद्र शुरू, 24 मरीजों को प्रतिदिन 3 हजार रुपए की बचत होगी राजकोट में किडनी मरीजों के लिए राहत भरी खबर; राजकोट नगर निगम के स्वास्थ्य केंद्रों में गुजरात का पहला मुफ्त डायलिसिस केंद्र शुरू, 24 मरीजों को हर दिन 3-3 हजार रुपए की बचत होगी राजकोट नगर निगम ने किडनी रोगियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। जिससे किडनी की बीमारियों से जूझ रहे हजारों मरीजों के लिए उम्मीद की एक नई किरण जगी है।

रेलवे में व्याप्त है भ्रष्टाचार,अरबों रूपए डकार गए काम के नाम पर

राकेश कुमार हाड़ा

झारखण्डः इंडिया मे 3 लाइन है रेलवे की,लेकिन एक भी स्टेशन मे और बाकी देश भर स्टेशन मे तो छत ही नहीं रहती है नहीं दिखती है। मै इसलिए बोल रहा हूँ तकरीबन 500 से ऊपर छोटा बड़ा स्टेशन सफर कर चुका हूँ। इंडिया मे लेकिन यह देखने को मिला की स्टेशन नाम पर कई खरबों की लूट है लेकिन कोई जांच नहीं, टिकिट, घर, शौचालय,वेटिंग रूम, जांच घर, स्टॉफ रूम, और कई ऐसे कमिया है जो सिर्फ स्टेशन नाम पर लूट ही है। कोई जांच नहीं स्टेशन की फर्जी काम करा कर बिल उठा रहा है। जब ू१ङ्क मेंबर्स राजेश कुमार यादव मधुपुर से गिरिडीह सफर किया तो देखा की स्टेशन की फण्ड तो आये है काम कराने के लिए लेकिन 60%फण्ड उड़ा दिए जाते है और स्टेशन वैसे का वैसे रह जाता है। जनता को भारी परेशानी सहना पड़ता है बरसात धूप और ठंढी दिन मे लेकिन विधायक और एम पी और रेलवे फंड से पूरा खर्च ही नहीं कराता है स्टेशन पर उसकी जांच होनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी के आरके देवरिया को गुजरात पुलिस ने किया डिटेन

माहेश्वरी कांजीभाई नारणभाई

गुजरातः आज दिनाक २४ जुलाई को आम आदमी पार्टी की जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष राजू लखानी जी ,शहार महामंत्री आरके देवरिया जी एवं अन्य साथियों को गुजरात पुलिस ने डिटेन कर लिया। उनका क्या कसूर है सिर्फ यह कि वो गाँधीधाम की जनता की समस्याओं को गृह मंत्री हर्ष सिंघवी के सामने रखने का प्रयास कर रहे थे। इस तानाशाही का जबाब आगामी चुनावो में देगी आपका संजय सरियाला। आम आदमी पार्टी शहर उप प्रमुख गाँधीधामआज रोज गुजरात के गुरह मंत्री कच्छ में आ रहें हैं, जो पकड़े गए नसीले पदार्थ को नष्ट कर ना ओर लोगोकी कानूनी कार्रवाई पर लोक सुझाव के लिए आ रहें थे। इसी दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को पुलिस ने डिटेइन कीया गया है, जो आम आदमी के लिए आवाज उठाने की संवेधानीक हक है।

उत्तर प्रदेश में 29 जुलाई को होगी बजरंग कुश्ती एवं लम्बी कूद प्रतियोगिता

ज्योति कुमारी

उत्तर प्रदेशः समस्त क्षेत्र वाशियो को सूचित किया जाता है विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी नागपंचमी के उपलक्ष्य में बजरंग कुश्ती एवं लम्बी कूद प्रतियोगिता 2025 का आयोजन दिनांक 29/07/2025 को किया गया है। जिसके आयोजक विपिन मिश्रा (भाजपा मंडल मंत्री), संयोजक प्रभात दुबे (एडवोकेट), संरक्षक अरविन्द वर्मा ,सोनू तिवारी, संचालक शैलेन्द्र शुक्ल, अनुराग पटेल, रेफरी घनश्याम वर्मा, जितेंद्र मौर्य सदस्य अंकित मिश्रा,दीपक पाण्डेय,शिवम पाण्डेय (LIC), नवीन तिवारी, एजाज हुसैन,हैदर अली,अमित,आलोक मौर्य,कुलदीप ,लकी तिवारी,दीपक अग्रहरि,अमित तिवारी,राज विश्वकर्मा,वाहिद अली, ऋषभ सिंह,अंशु कसौधन,शिवांश अग्रहरि

समयः- लम्बी कूद प्रतियोगिता सुबह 09:00 से 11:00 बजे तक कुश्ती प्रतियोगिता 11:30 से 2:30 बजे तक स्थानः- ग्राम गौहानी कला अभी बिल्डिंग मैटेरियल के सामने कालीमाता चौरा निकट गौहानी पंचायत भवन नोटः- सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उचित उपहार से सम्मानित किया जाएगा ।

राज्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ कार्यो की समीक्षा करते हुए दिए आदेश

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः प्रयागराज राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग दयाशंकर मिश्र 'दयालु' अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद पार्क में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात सर्किट हाउस के सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक की' बैठक में मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं' उन्होंने निर्माण संबंधी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं' उन्होंने होमियोपैथी कॉलेज में स्मार्ट क्लास बनाए जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं ' मंत्री ने चिकित्सालयों के लिए आवश्यक जमीन को जिला प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराने जाने एवं उपलब्ध जमीन जो कि अभी तक विभाग के नाम नहीं हुयी है, उसके नामांतरण की कार्यवाही शीघ्रता से कराए जाने के लिए कहा है' मंत्री ने होमियोपैथी कॉलेज में कक्षाओं के संचालन में यदि पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता नहीं हैं तो रिक्त पदों पर जब तक स्थायी नियुक्ति हेतु प्रक्रिया चल रही हैं तब तक संविदा पर कार्यरत शिक्षकों के अनुबंध को बढ़ा दिया जाए और आवश्यकतानुसार अन्य शिक्षको को भी संविदा पर नियुक्ति करने के लिए कहा है।

उन्होंने संस्थानों में उपलब्ध सभी संसाधनों का शत प्रतिशत उपयोग करते हुए उन्हें और बढ़ाए जाने के लिए प्रयास किए जाने के लिए कहा है ' मंत्री ने खाद्य सुरक्षा से संबंधित अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी कावड़ मार्गों पर नियमानुसार आवश्यक प्रबंध किए जाने के लिए कहा है' मंत्री ने बैठक में उपस्थित ड्रग्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों से नकली दवाओ के विक्रय पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं' उन्होंने नशीली दवाओं के अवैध कारोबार एवं अनुचित प्रयोग पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है' उन्होने सभी अधिकारियों को उपलब्ध संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने एवं पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करने के लिए कहा है' इस अवसर पर सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे '

दभोई वडोदरा केलनपुर जांबा पुल एक तरफ से भारी वाहनों के लिए बंद

जयदीप कुमार

गुजरातः हाल ही में आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के ढहने के बाद, जिसमें लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। सरकार की नींद खुली और उसने गुजरात के पुलों की वास्तविकता की जाँच की, जिसमें कई पुलों को भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। सड़क निर्माण विभाग ने दभोई के चांदोड़ और ओरसांग के करनेट पुलों का निरीक्षण किया, लेकिन दभोई, वडोदरा जांबा नदी, केलनपुर के बीजों की वास्तविकता सामने आई। निरीक्षण के दौरान केलनपुर पुल घिसा हुआ दिखाई दिया और स्थानीय लोगों ने बताया कि भारी वाहनों के गुजरने पर इसकी पपड़ियाँ गिर जाती हैं। पशुपालन में लगे लोगों से पता चला है कि पुल मोड़ ले चुका है, यानी नीचे की ओर दब रहा है, जिससे कभी भी संकट पैदा हो सकता है। सड़क निर्माण और पंचायत विभाग के अधिकारियों को केलनपुर के पुराने पुल का दौरा करना चाहिए और कोई बड़ी आपदा आने से पहले उचित कदम उठाने चाहिए। डभोई और वडोदरा के बीच केलनपुर नदी पर बना पुराना पुल लगभग 50 साल पुराना माना जाता है, ऐसे में सड़क निर्माण पंचायत के अधिकारियों को अपने एसी चैंबर छोड़कर केलनपुर पुल का निरीक्षण करना चाहिए।

विधायक का स्टिकर लगाकर घूम रहे युवक ने पुलिस को दिखाया धौंस

ओम प्रकाश

उत्तर प्रदेशः एक गाड़ी पर विधायक का स्टिकर लगाकर घूम रहे युवक को गगहा पुलिस ने बुधवार को पकड़ा पूछताछ के दौरान उसने धौंस दिखाया। इसके बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया लेकिन, जब उच्च अधिकारियों ने इस मामले में पूछताछ की तो पुलिस ने आनंद आनंद में गाड़ी का चालान किया पुलिस ने उप 53 इएम3993 नंबर की गाड़ी को पड़ी आगे शीशे पर विधायक का स्टीकर लगा था गाड़ी चला रहे युवक से, जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि यह गाड़ी विधायक के काफिले में रहती है। वह भी उनके साथ रहता है। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी को रिलीज कर दिया इसी बीच किसी ने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी थी।

नर्मदा मियागाम केनाल की साइड दीवार में कटाव से राहगीरों में भय का माहौल

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः पाणिया लोटिया के बीच स्थित नर्मदा मियागाम केनाल की साइड दीवार में दिखाई दे रहे कटाव के कारण राहगीरों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। वर्तमान में केनाल की दीवार कमजोर होती दिखाई दे रही है, जिससे उस क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों के लिए दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि तुरंत उचित कदम नहीं उठाए गए तो बड़ी दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बार-बार यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों के लिए यह कटाव जानलेवा साबित हो सकता है। अब स्थानीय प्रशासन को तत्काल कार्रवाई कर टूटी या कट चुकी दीवार को मजबूती प्रदान करनी चाहिए, ताकि किसी भी अनहोनी घटना को रोका जा सके।

आनंद पोलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की

राजपूत रणजीत

गुजरातः आनंद जिले में जी.जी. जसानी साहब, पुलिस अधीक्षक, आनंद के सुंदर निदेशों के अनुसार, एन.डी.पी.एस.ई. के मार्गदर्शन में एसओजी शाखा के पी.इन्स. ए.जे. असारी और एस.ओ. चौधरी, पीएसई एसओजी आनंद और एच.आर. प्रजाप्रति, पीएसई एसओजी आनंद द्वारा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। विद्यानगर डाकघर में पंजीकृत, अधिनियम संख्या 11215037250368/2025 एनडीपीएस अधिनियम 8 (सी), 29 (सी), तकनीकी और मानव संसाधनों की मदद से, आरोपी

(1) देव आनंदभाई राय, 29, विश्वकुंज सोसाइटी, बुद्धदेव कॉलोनी, करेलीबाग, वडोदरा शहर में रहते हैं (2) आदिलबेग उर्फ रोली अबिदाली मिर्जा, 254, सहखरनगर, बेसिल स्कूल के सामने, तंडलजा, वडोदरा शहर में रहते हैं, वर्तमान में डी -38, करभरी पार्क सोसाइटी, बीना नगर, वासना रोड, वडोदरा शहर में रहते हैं, को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार आरोपी-

(1) देव आनंदभाई राय 29, विश्वकुंज सोसायटी, बुद्धदेव कॉलोनी, कारेलीबाग, वडोदरा शहर में रहते हैं

(2) आदिलबेग उर्फ रोली आबिदअली मिर्जा मूल रूप से 254, सहखरनगरअपराध का विवरण

विद्यानगर पी.ओ.एस. क्रमांक 11215037250368/2025 एनडीपीएस एक्ट 8(सी), 29(सी) के अनुसार

कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी

पुलिस निरीक्षक ए.जे.असारी, पो.सब.इन्स.एस.ओ.चौधरी, पो.सब.इन्स.एच.आर.प्रजाप्रति और एसओजी टीम आनंद।

थाना कालांवाली पुलिस ने हेरोईन तस्करी के दो मामलों में पेशी से गैरहाजिर आरोपी को किया काबू

महिपाल सिंह

हरियाणाः डबवाली पुलिस द्वारा आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए थाना कालांवाली पुलिस ने नशा तस्करी के दो अभियोगों में वांछित असल स्पलायर व शस्त्र अधिनियम के मामले में अदालत की पेशी से गैरहाजिर होने वाले आरोपी हरमन सिंह पुत्र मेजर सिंह निवासी गदराना जिला सिरसा को काबू करने में कामयाबी हासिल की है। एक अन्य अभियोग में सीआईए स्टाफ कालांवाली ने 6.25 ग्राम हेरोइन चिट्टा सहित आरोपी शमशेर सिंह पुत्र नसीब सिंह निवासी गदराना को काबू कर बंद जेल करवाया था। जो आरोपी हरमन सिंह इन दोनों अभियोगों में असल तस्कर था। शस्त्र अधिनियम के एक 3 साल पुराने मामले में भी आरोपी अदालत की पेशी से गैरहाजिर चल रहा है।

उन्होने आगे बताया कि इसी तरह 07 साल पुराने मामले में पेशी से गैर हाजिर चल रहे एक अन्य आरोपी तरसेम सिंह पुत्र मेजर सिंह निवासी गदराना को काबू किया गया है। काबू किए गए दोनों आरोपियों हरमन सिंह व तरसेम सिंह को अदालत में पेश किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ बुधवार को जनप्रतिनिधियों और लोक निर्माण विभाग के साथ करेंगे बैठक

ओम प्रकाश

उत्तर प्रदेशः आज सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार दोपहर 12:00 बजे आएंगे। पहले वह मंगलवार को आने वाले थे लेकिन बृहस्पतिवार को एनेकसी भवन में गोरखपुर बस्ती मंडल के जनप्रतिनिधियों और लोक निर्माण विभाग के अवसरों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार शाम 4:00 बजे से नगर निगम में आयोजित सम्मान समारोह में हिस्सा लेंगे। यही से एनिमल वर्थ कंट्रोल सिस्टम और रामगढ़ के किनारे बने नया सवेरा पार्ट 2 का लोकार्पण समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी लोकार्पण समेत कई अन्य परियोजनाओं का

शिलानाश करेंगे। इसके बाद बृहस्पतिवार को असुरन चौराहे का लोकार्पण होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज गोरखनाथ मंदिर में शिव अवतारी महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी के दर्शन पूजन कर लोक कल्याण हेतु प्रार्थना की महाराज जी ने अपने पूज्य गुरुदेव राष्ट्र संघ ब्रह्मलीन मंथ अबैद्यनाथ जी महाराज के समाधि स्थल पर पुष्पांजलि भी अर्पित की है।

सुरखेडा गांव में रास्ते पर फंसे ट्रक में मिली विदेशी शराब की बोतले

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः रंगपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के सुरखेडा गांव में रास्ते पर फंसी एक ट्रक के पास से विदेशी शराब से भरी एक आयशर जब्त की गई। इस आयशर में चोरी के इरादे से ले जाई जा रही कुल अनुमानित ?4,08,000/- की विदेशी शराब पाई गई। साथ ही आयशर वाहन की कीमत ?10,00,000/- आँकी गई। इस प्रकार कुल ?14,08,000/- का माल जब्त किया गया। यह कार्रवाई छोटाउदुर की स्थानीय अपराध शाखा (एल.सी.बी.) द्वारा अंजाम दी गई। वडोदरा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री संदीपसिंह एवं छोटाउद??र जिले के पुलिस अधीक्षक श्री इम्तियाज शेख के मार्गदर्शन व निर्देशों के तहत तेजी से उचित कार्रवाई की गई। अधिकारियों और स्टाफ के संयुक्त प्रयास और कार्यकुशलता के चलते यह सफलता जल्द ही प्राप्त हो सकी।

आनंद में कांग्रेस जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर, राहुल गांधी 26 जुलाई को रहेंगे उपस्थित

खत्री रफाकथुसैन

गुजरातः आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत कांग्रेस पार्टी गुजरात में संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। इसी क्रम में 26 से 28 जुलाई तक आनंद में कांग्रेस के नव नियुक्त जिला अध्यक्षों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के पहले दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी स्वयं उपस्थित रहेंगे और कार्यकताओं को मार्गदर्शन देंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने वडोदरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जानकारी दी कि राहुल गांधी 26 जुलाई को सुबह 10 बजे वडोदरा एयरपोर्ट पर उतरेंगे, जहाँ से वे सीधे आनंद के लिए रवाना होंगे। उनका आगमन कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का विषय बना हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य संगठन की समीक्षा कर उसे और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी और "मिशन 2027" के लिए ठोस रणनीति तैयार की जाएगी।

उन्होंने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि गुजरात में भय, भूख, भ्रष्टाचार और कमीशन का शासन चल रहा है। भाजपा के नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और अब कांग्रेस इसके खिलाफ निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है। सहकारी क्षेत्र और दूध संघों में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा भी शिविर में चर्चा का केंद्र रहेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इन क्षेत्रों में सदस्य अब अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। राहुल गांधी भी इन संगठनों के अधिकारियों और सदस्यों के साथ संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। यह शिविर कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ जनता से जुड़ने की एक अहम पहल माना जा रहा है।

एक नजर

सहारनपुर मां काली भैरव नाथ मंशापूर्ण हनुमान शिव मंदिर समिति ने किया विशाल भंडारा

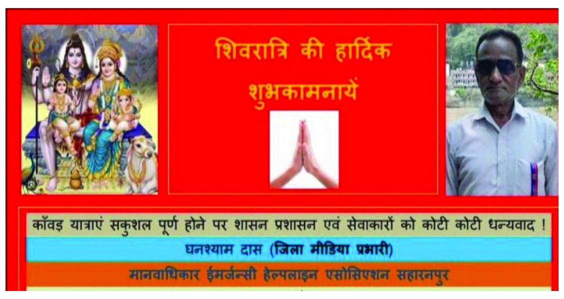

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, विधायक राजीव गुंबर व महापौर ने भी सेवा कर धर्म कमा रहे हैं। सहारनपुर में मां काली भैरव नाथ मंशापूर्ण हनुमान शिव मंदिर समिति भरत विहार मल्हीपुर रोड सहारनपुर ने परमपिता परमात्मा की असीम अनुकंपा से मंदिर के 19 वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर श्रावण मास में मंदिर प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी नगर वासी धर्म प्रेमियों के साथ साथ पूर्व सांसद माननीय राघव लखनपाल शर्मा, महानगर महापौर माननीय डॉक्टर अजय कुमार व नगर विधायक माननीय राजीव गुंबर को सादर आमंत्रित किया गया। मंदिर प्रांगण में पूजन-अर्चन के पश्चात पूर्व सांसद ने भक्तिभाव से कन्यापूजन कराया व भोजन का भोग लगवाया। महापौर डॉक्टर अजय कुमार और नगर विधायक राजीव गुंबर ने श्रद्धापूर्वक मंदिर में आये श्रद्धालुओं को अपने से हाथों भोजन खिलाकर धर्म लाभ अर्जित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन मंदिर समिति भरत विहार द्वारा श्रावण मास में बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास से किया गया। इस शुभ अवसर पर नगर व क्षेत्रीय सैकड़ों लोगों ने प्रेम सहित भाग लेकर भंडारे का शुद्ध भोजन ग्रहण किया। मंदिर कमेटी के जिम्मेदार लोगों ने वहाँ पर पधारे समस्त श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के शुभ अवसर पर समिति के संरक्षक अंबेश कपिल, अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, सचिव राकेश कुमार शर्मा,उप सचिव भूपेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, ओडिटर अनुज कुमार जैन, संगठन मंत्री किशन लाल मल्होत्रा, प्रचार मंत्री भुवन चंद्र जोशी,सलिल शर्मा सदस्य, प्रवीण कुमार जैन सदस्य, रकम सिंह सैनी सदस्य, संसार सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छोटाउदेपुर जिले में सड़को की मरम्मत कार्य मिशन मोड में हुआ शुरू

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः छोटाउदेपुर जिले में धूल भरे हालात के कारण दो मार्गों पर शुरू हुए पैच वर्क के कार्य। डुंगरवाट-जांबुघोड़ा रोड 12.4 किमी और पावीजेतपुर-कदवाल रोड 15.40 किमी पर मरम्मत कार्य जारी किया गया। छोटाउदेपुर जिले में सड़क एवं भवन विभाग (पंचायत) द्वारा सड़कों की मरम्मत कार्य मिशन मोड में शुरू कर दी गई है। भारी वर्षा के कारण खराब हुई सड़कों को सुधार कर यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्यवाही शुरू की गई है। जिले के दौरे के दौरान राज्य के मंत्री भूपेंद्रसिंह चूड़ासमा और जिला प्रभारी सचिव प्रवीणभाई सोलंकी ने भी क्षतिग्रस्त सड़कों की तुरंत मरम्मत करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत, छोटाउदेपुर जिले के जांबुघोड़ा तालुका के डुंगरवाट-जांबुघोड़ा रोड (12.4 किमी) और पावीजेतपुर-कदवाल रोड (15.40 किमी) की हालत बेहद खराब होने के कारण, सड़क एवं भवन विभाग (पंचायत) द्वारा तत्काल पैचवर्क के कार्य शुरू किए गए हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सके।

गोरखपुर स्कूल गेट से लापता छात्र लखनऊ में मिली

ओम प्रकाश

उत्तर प्रदेशः गोरखपुर स्कूल गेट से लापता छात्र मंगलवार की देर शाम लखनऊ में मिल गई घर वाले वालों के डांटने पर वह नाराज होकर घर से गई थी। भोजन के लिए एक दुकान पर 2 दिन से झाड़ू पोछा कर रही थी। बाजार गई चचरी बहन की नजर पड़ी तो वह साथ ले गई बुधवार की सुबह छात्र को शाहपुर पुलिस लेकर पहुंची कक्षा 5 में पढ़ने वाली 12 वर्ष किशोरी शुक्रवार को अपने पिता के साथ स्कूल गई थी। दोपहर में स्कूल बंद होने के बाद घर नहीं पहुंची थी इसी बीच मंगलवार की शाम लखनऊ में रहने वाली चचरी बहन अपने पति के साथ बाजार गई थी जहां पर दुकानदार पर छात्र झाड़ू लगाते हुए दिखाई वह भागने लगी मगर बहन और जीजा ने दौड़ाकर पकड़ लिया शाहपुर थाना पुलिस लखनऊ पहुंची और बुधवार की सुबह गोरखपुर ले आई छात्र ने बताया उसे मोबाइल देखने से रोका जाता था सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि छात्रा को परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है।

वॉइस ऑफ मीडिया संस्था की मीटिंग कबीर मंदिर हॉल में आयोजित

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः बोडेली के वॉइस ऑफ मीडिया संस्था की विशेष बैठक शहर के कबीर मंदिर हॉल में आयोजित की गई। इस बैठक में गुजरात के विभिन्न जिलों से पत्रकारों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के हितों को लेकर संवाद स्थापित करना और उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करने के बारे में मार्गदर्शन देना था।

मुलाकात के दौरान पत्रकारों को उनके अधिकारों, कानूनी सुरक्षा और मीडिया क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, पत्रकारों के समर्थन में लीगल एडवाइस तथा आवश्यक मदद के लिए संस्था द्वारा जरूरी कदम उठाने की भूमिका तय की गई। इस अवसर पर कुछ नए सदस्यों को वॉइस ऑफ मीडिया संस्था से जोड़ा गया और उनका स्वागत भी किया गया। बैठक के बाद उपस्थित सभी पत्रकार मित्रों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसमें सभी ने सौहार्दपूर्ण माहौल में भाग लिया। वॉइस ऑफ मीडिया द्वारा आने वाले दिनों में भी ऐसी गतिविधियों को निरंतर जारी रखते हुए पत्रकारों को मजबूत और सशक्त बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग बनाम अदालत

चुनाव आयोग ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के संदर्भ में आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड और राशन कार्ड 'वैध दस्तावेज' नहीं हैं, लिहाजा उन्हें मान्यता नहीं दी जा सकती। बिहार में पुनरीक्षण का करीब 96 फीसदी काम पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग ने सर्वोच्च अदालत के आग्रह को नकार दिया है, लिहाजा अब न्यायिक पीठ का फैसला अथवा उसकी प्रतिक्रिया क्या रहती है, यह 28 जुलाई को सुनवाई के दौरान सामने आ सकता है। सर्वोच्च अदालत या तो न्यायिक आदेश देती है अथवा निर्देश देती है, जिनका अनुपालन किया जाना चाहिए। अब अदालत और आयोग दोनों ही संवैधानिक संस्थाएं हैं, उनकी परस्पर मयार्दाएं हैं, लिहाजा अहम सवाल है कि क्या आयोग बनाम अदालत की स्थिति बन गई है? क्या शीर्ष अदालत भविष्य के मतदाता-सूची पुनरीक्षण के मद्देनजर आधार, वोटर और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज मानने को चुनाव आयोग को बाध्य कर सकती है? चुनाव आयोग ने यह भी दावा किया है कि मतदाता की नागरिकता का पता लगाना भी उसका संवैधानिक अधिकार है। बेशक यह मुद्दा भी सर्वोच्च अदालत के सामने उठेगा, क्योंकि न्यायिक पीठ कहती रही है कि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। वह गृह मंत्रालय का संवैधानिक जनादेश है। लिहाजा मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में, बिहार में ही, जिन 52 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काटने की संभावना आयोग ने जताई है, क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया हो जाएगी? यह तय करने वाला चुनाव आयोग कौन होता है? आयोग ने अभी तक जो डाटा इक्ा किया है, उसके मद्देनजर आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में रेखांकित किया है कि बिहार की मतदाता सूचियों में करीब 18 लाख मृतकों के नाम दर्ज हैं, 26 लाख ऐसे नाम हैं, जो किसी दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं और वहां के मतदाता हैं, 7 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम दो-दो स्थानों पर हैं। इस तरह 52 लाख से अधिक नाम मतदाता-सूची से काटे जा सकते हैं।

बेशक ऐसे मतदाता 1 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान अपील कर सकते हैं। क्या नागरिकता से जुड़े ऐसे मामले सर्वोच्च अदालत तक भी पहुंच सकते हैं? बिहार में चुनाव आयोग के पुनरीक्षण-अभियान का जबरदस्त राजनीतिक विरोध किया जा रहा है। यहां तक कि विधानसभा में मेज-कुर्सियां उछाली गईं। मार्शल (सुरक्षाकर्मी) और विपक्षी विधायक आपस में भिड़ गए, धक्कामुक्की, हाथापाई तक की नौबत आ गई। संसद परिसर में भी विपक्षी गठबंधन के सांसदों ने बैनर, पोस्टर, तख्तियां लेकर संसद भवन के ह्यमकर द्वारह्व पर विरोध-प्रदर्शन किया। संसद के भीतर विपक्षी सांसद अध्यक्ष के आसन तक 'वेल' में लामबंद हुए। नारेबाजी का शोर इतना था कि सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी। दोनों सदनों की कार्यवाही दोनों दिन नहीं चल सकी। बेशक चुनाव आयोग के अभियान से लोकतंत्र की हत्या की जा रही है अथवा नहीं, अलबत्ता लोकतंत्र लगातार 'लहूलुहान' जरूर हो रहा है। अब सर्वोच्च अदालत को एक निश्चित फैसला सुना कर देश के लोकतंत्र को बचाना है। अब तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बयानबाजी शुरू कर दी है कि आयोग बंगाल में ऐसे 40 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट सकता है। संविधान के अनुच्छेद 324 और 326 में चुनाव आयोग को पुनरीक्षण के संवैधानिक अधिकार दिए गए हैं। आयोग मतदाता-सूचियों में संशोधन कर सकता है। नाम काटे जा सकते हैं, तो नए मतदाताओं के नाम जोड़े भी जाते हैं। चूंकि आजकल बांग्लादेशी घुसपैठियों, म्यांमार की तरफ से रोहिंग्या मुसलमानों की चर्चा खूब है। सरकारें अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेज रही है। यदि आधार, राशन, वोटर कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज नकली, फर्जी बनाए जा रहे हैं, तो यह देश पर कलंक है। ऐसे कार्डधारकों की छंटनी होनी ही चाहिए। भारत कोई धर्मशाला नहीं है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च अदालत का दायित्व ज्यादा बढ़ जाता है कि वह ऐसी छंटनी को वैधता प्रदान करे।

परंपरा तभी पूजनीय, जब न्याय साथ हो

-सुधीर पाल-

छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा से लेकर झारखंड, उड़ीसा और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों तक फैले आदिवासी समाज में उत्तराधिकार का अधिकार अब तक पुरुषों तक सीमित रहा है। 'हमारी बहन बेटियां हमारी अमानत हैं, लेकिन जमीन पर उनका हक नहीं', यह कथन कई आदिवासी समुदायों के सामाजिक ढांचे को दशार्ता है। पाँचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में (जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा आदि) आदिवासी समुदायों की परंपरागत व्यवस्थाओं को सम्मान देने की संवैधानिक व्यवस्था है। यह संविधान की धारा 13 और 372 के तहत मान्यता प्राप्त 'कस्टमरी लॉ' के तहत आता है। परंतु जब ये परंपराएँ लैंगिक भेदभाव पर आधारित होती हैं, तो वे संविधान की बुनियादी संरचना से टकरा जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आदिवासी परंपराओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन उन परंपराओं का नहीं जो महिलाओं को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दे। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आदिवासी महिलाओं को उत्तराधिकार में पुरुषों के समान अधिकार मिलने चाहिए। यह फैसला पहली दृष्टि में न्याय का प्रतीक लगता है, लेकिन जब हम गहराई में जाकर देखते हैं तो यह सवाल उठता है कि क्या यह न्याय है, या न्याय के नाम पर सामाजिक-सांस्कृतिक और कुछ हद तक पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्र की विशिष्ट व्यवस्था में हस्तक्षेप?

भूमि अधिकार बनाम परंपरा

आदिवासी महिलाएं जंगल, जमीन और जल से गहराई से जुड़ी हैं। वह जल संग्रहण करती है, बीज बचाती है, खेती करती है, और जंगल को जीवित रखती है। फिर भी, जब भूमि के मालिकाना हक की बात आती है तो उसका नाम कहीं नहीं होता। अक्सर यह कहा जाता है कि आदिवासी समाज पुरुष प्रधान नहीं होता, वहां महिला को सम्मान मिलता है। लेकिन सम्मान और अधिकार में फर्क है। एक और तर्क दिया जाता है कि आदिवासी समुदायों में जमीन का स्वामित्व सामुदायिक होता है ना कि व्यक्तिगत। लेकिन जमीन अधिग्रहण का मुआवजा का पैसा या आदिवासी जमीन की बिक्री का पैसा कभी किसी ग्राम सभा के खाते में जमा हुआ है? सामुदायिक स्वामित्व के प्रकृति की जमीन जैसे पहनई, मुंडई, महतोई, डाली-कतारी, भूत-खेता, पनभरा इत्यादि के अधिग्रहण की राशि ग्राम सभा के खाते में कभी जमा हुई है, इसके उदाहरण नहीं हैं। गैर आदिवासी पुरुषों से आदिवासी लड़कियों की शादी को भी जमीन से जोड़ कर देखा जाता है। मालूम हो जमीन की प्रकृति कभी नहीं बदलती है। आदिवासी महिला के गैर आदिवासी से शादी के बाद भी जमीन का नेचर आदिवासी ही रहेगा और हस्तांतरण नहीं हो सकता है। जैसे वनाधिकार कानून के तहत मिली जमीन की प्रकृति हमेशा वन भूमि की ही रहती है।

-क्या महिला को अपनी पुश्तैनी जमीन बेचने, उस पर खेती करने, या ग्रामसभा में भूमि के मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार है?

-कई समुदायों में विवाह के बाद महिला अपने मायके की जमीन पर अधिकार नहीं रखती।

-क्या यह पुरानी परंपरा है या पितृसत्तात्मक कानूनों का धीरे-धीरे घुसपैठ?

यहां एक बड़ा संवैधानिक प्रश्न उठता है-क्या पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों पर भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू होता है? पाँचवी अनुसूची, जो आदिवासियों की स्वायत्तता और परंपरा को मान्यता देता है, स्पष्ट करता है कि राज्यपाल के पास यह अधिकार है कि वे केंद्र और राज्य के किसी कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में लागू करने से रोक सकते हैं या उसमें बदलाव कर सकते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कोई कानून मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है, तब परंपरा या संस्कृति का हवाला नहीं दिया जा सकता। झारखंड के अधिवक्ता सुनील उरांव बताते हैं कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908, की धारा 6 (1) में उल्लेखित 'भूमि जोतने वाला' सिद्धांत का ऐसा अर्थ निकाला गया है कि विवाहित बेटियों को उनके पैतृक कृषि भूमि में अधिकार से वंचित किया गया।

ब्रिटेन के समझौते से किसको संदेश दे रहे मोदी

-राजेश कुमार पासी-

> वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका को कहा था कि हम समझौता जरूर करेंगे लेकिन बिना किसी डेडलाइन के करेंगे। उन्होंने कहा था कि इस तरीके से बातचीत की जाएगी तो हमें कोई ट्रेड डील नहीं करनी है। पहले अमेरिका ने 9 जुलाई की डेडलाइन दी थी और अब इसे बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है। अमेरिकी दबाव का नतीजा ये निकला है कि भारत सरकार ने अन्य देशों के साथ व्यापार करने के लिए जो शर्ते तय की थी, उनके अनुसार अमेरिका के साथ बातचीत नहीं होने जा रही है बल्कि भारत का कहना है कि जैसे अमेरिका बात करेगा, उससे वैसे ही बात की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ब्रिटेन की विदेश यात्रा पर हैं, जहां भारत ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने वाला है। 2022 से इसके लिए भारत सरकार और ब्रिटिश सरकार के बीच बातचीत चल रही थी और अब इस समझौते पर हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। बेशक ये समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच होने जा रहा है लेकिन इस समझौते से मोदी पूरी दुनिया को एक संदेश देने जा रहे हैं। विशेष तौर पर मोदी इस समझौते के जरिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा संदेश देने जा रहे हैं। जब से भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हुआ है तब से डोनाल्ड ट्रंप यह राग अलाप रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों के युद्ध विराम करवाया था। भारत सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से नकार दिये जाने के बावजूद उनका राग अलापना बंद नहीं हुआ है। उनका कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को ट्रेड डील करने की बात कहकर मनाया था। सवाल यह है कि पाकिस्तान ऐसा क्या बनाता है जिससे वो अमेरिका के साथ व्यापार करने जा रहा है।

दूसरा सवाल यह है कि अमेरिका की कई धमकियों के बावजूद भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की तरफ कदम नहीं बढ़ाए हैं। जो समझौता हुआ ही नहीं, उसके कारण कैसे भारत पाकिस्तान अमेरिकी प्रभाव में युद्ध रोकने के लिए सहमत हो गए। जहां भारत का अमेरिका के साथ अभी तक व्यापार समझौता नहीं हो पाया है तो वहीं दूसरी तरफ तीन वर्षों की मेहनत के बाद ब्रिटेन के साथ भारत का समझौता होने जा रहा है। भारत इस समझौते के जरिये अमेरिका को संदेश दे रहा है कि वो अपने हितों के साथ कोई समझौता नहीं करने वाला है। इस समझौते के जरिये भारत ने सुनिश्चित किया है कि उसके 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन में जीरो डयूटी श्रेणी में रखा जाएगा। भारत पर अमेरिका द्वारा लगातार डेडलाइन देकर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है लेकिन भारत ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि वो किसी डेडलाइन के डर से समझौता नहीं करने वाला है। भारत अपने हितों को देखते हुए ही अमेरिका के साथ समझौता करेगा।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका को कहा था कि हम समझौता जरूर करेंगे लेकिन बिना किसी डेडलाइन के करेंगे। उन्होंने कहा था कि इस तरीके से बातचीत की जाएगी तो हमें कोई ट्रेड डील नहीं करनी है। पहले अमेरिका ने 9 जुलाई की डेडलाइन दी थी और अब इसे बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है। अमेरिकी दबाव का नतीजा ये निकला है कि भारत सरकार ने अन्य देशों के साथ व्यापार करने के लिए जो शर्ते तय की थी, उनके अनुसार अमेरिका के साथ बातचीत नहीं होने जा रही है बल्कि भारत का कहना है कि जैसे अमेरिका बात करेगा, उससे वैसे ही बात की जाएगी। भारत का अमेरिका को सीधा संदेश है कि वो किसी दबाव में व्यापार समझौता करने वाला नहीं है। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील की बातचीत के दौरान ब्रिटेन के तीन प्रधानमंत्री बदल गए लेकिन बातचीत चलती रही। इससे यह भी संदेश जाता है कि ट्रेड डील किन्हीं दो लोगों के बीच नहीं होती बल्कि दो देशों के बीच होती है। बिट्रिश प्रधानमंत्री स्ट्रार्मर ने कहा है कि ब्रेग्जिट के बाद ये उनके देश की सबसे बड़ी ट्रेड डील होने वाली है। उनका कहना है कि इससे दोनों देशों को बड़ा फायदा होने वाला है। इस समझौते से भारत में 50 लाख नौकरियां पैदा होने की संभावना है और मेक इन इंडिया को इससे फायदा होने की संभावना जताई जा रही है।

भारत इससे यह संदेश दे रहा है कि अमेरिका भारत को कमजोर देश न समझे. हो सकता है कि उसकी दबाव बनाकर समझौता करने की रणनीति कुछ देशों के साथ सफल हो गई हो लेकिन भारत के मामले में ऐसा होने वाला नहीं है। अमेरिका को समझना होगा कि उसकी भारत के साथ इस मामले की कई बैठकें हो चुकी हैं लेकिन अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है। यहां तक कि कोई छोटी डील भी नहीं हो सकी है। अमेरिका की दबाव बनाने की रणनीति का ये परिणाम निकला है कि भारत ने कई ऐसे क्षेत्रों को बातचीत से बाहर निकाल दिया है जिन्हें पहले वो अमेरिका के लिए खोलने की बात करने वाला था। भारत दूसरे देशों को उन क्षेत्रों में आने के लिए बात करने के लिए तैयार है लेकिन अमेरिका से अब उन क्षेत्रों के बारे में कोई बात नहीं होगी। भारत ने अमेरिका को बता दिया है कि बिना किसी दबाव के भी दूसरे देशों के साथ समझौता किया जा सकता है।

जहां तक भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले समझौते की बात है तो दोनों देशों ने इसके लिए चौदह दौर की बातचीत की है और इसके बाद ही दोनों देशों के बीच सहमति बनी है। मोदी जी की उपस्थिति में इस पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। इस समझौते का लक्ष्य है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक दोगुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचा दिया जाए। इस समझौते से भारत के वस्त्र उद्योग, इंजीनियरिंग उत्पाद, दवाएं और अन्य कई प्रमुख क्षेत्रों के लिए ब्रिटेन का बाजार शून्य शुल्क या कम शुल्क में उपलब्ध हो जाएगा। इसके अलावा भारत के कामगारों और प्रोफेशनल को ब्रिटेन में काम करने में आसानी होगी और उनको सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी और उन्हें ब्रिटेन की पेंशन योजना के लिए कोई पैसा नहीं देना होगा।

ब्रिटेन को भी इस समझौते से बड़ा फायदा होने जा रहा है। ब्रिटेन के अल्कोहल और यात्री कारों को भारत के बाजार में जगह मिलेगी. इन्हें शुल्कमुक्त नहीं किया जा रहा है लेकिन दूसरे देशों के मुकाबले बहुत कम शुल्क पर भारत में इनकी बिक्री हो सकेगी। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों मं ब्रिटिश सामानों को भारत में सस्ते में बेचा जा सकेगा। इससे ब्रिटिश सामान दूसरे देशों की तुलना में भारत में काफी सस्ते हो जाएंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ब्रिटेन की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए यूरोपियन यूनियन के साथ दोबारा जुड़ना चाहते हैं लेकिन ब्रिटेन को यह भी समझ आ रहा है कि यूरोपियन यूनियन की अर्थव्यवस्था खुद ही डूब रही है तो उसके साथ जुड़कर ब्रिटिश अर्थव्यवस्था कैसे ऊपर उठ सकती है। यही कारण है कि ब्रिटेन दूसरे देशों की तरफ देख रहा है। ब्रिटेन को चीन से भी बड़ी उम्मीद है लेकिन चीन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है और चीन की अर्थव्यवस्था भी नीचे की ओर जा रही है। ऐसे हालात में ब्रिटेन भारत की अनदेखी नहीं कर सका है और उसका भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता होने जा रहा है। भारत के लिए अब यूरोपियन यूनियन का रास्ता भी खुलने जा रहा है।

पीएम मोदी इस समझौते के जरिये दुनिया को संदेश दे रहे हैं कि अब भारत की अनदेखी कोई देश नहीं कर सकता हालांकि यह भी सच है कि अमेरिका के साथ भारत के व्यापार को देखते हुए ब्रिटेन के साथ हुआ समझौता ज्यादा महत्वपूर्ण नजर नहीं आता है। लेकिन सच यह भी है कि ऐसे कई समझौते मिलकर बड़ा असर दिखा सकते हैं।

जब गुनहगार छूटते हैं और पीड़ित रह जाते हैं....

-प्रियंका सौरभ-

मुंबई में वर्ष 2006 में हुए लोकल ट्रेन धमाके देश के इतिहास की सबसे भयानक आतंकी घटनाओं में से एक थे। सात जगहों पर ट्रेनों में बम विस्फोट कर के 189 लोगों की जान ली गई और लगभग 800 से अधिक लोग घायल हुए। यह हमला केवल मानव शरीरों पर नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की आत्मा पर किया गया था। पूरा देश सन्न रह गया था। भय, आक्रोश और असहायता के बीच एकमात्र आशा थी झ न्याय की। परंतु जब लगभग 19 वर्षों बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले के 12 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया, तब एक बार फिर यह प्रश्न गूंजने लगा कि क्या हमारे देश में पीड़ितों को कभी न्याय मिल भी पाता है?

यह निर्णय केवल एक अदालती प्रक्रिया का परिणाम नहीं था, बल्कि यह उस व्यवस्था की पोल खोलने वाला था जिसमें जांच एजेंसियों की निष्क्रियता, अभियोजन की लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप की मिलीजुली साजिश वर्षों से न्याय को घुटनों पर लाने का कार्य कर रही है। किसी भी न्यायालय का कार्य तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया के आधार पर निष्पक्ष निर्णय देना होता है। लेकिन जब जांच ही लचर हो, जब सबूत इतने कमजोर हों कि अदालत उन्हें स्वीकार ही न करे, तो फिर न्यायालय भी विवश हो जाता है।

इस मामले में आरोपियों को सजा न मिल पाने का दोष न्यायालय पर मढ़ना आसान है, लेकिन वास्तव में जिम्मेदार वे अधिकारी हैं जिन्होंने इस गंभीर आतंकी हमले की जांच को हल्केपन और जल्दबाजी से अंजाम दिया। कई आरोपियों के कबूलनामे जबरन करवाए गए, जो कि भारतीय न्यायिक प्रक्रिया में स्वीकार्य नहीं हैं। विस्फोट स्थलों से फॉरेंसिक साक्ष्य समय पर एकत्रित नहीं किए गए। गवाहों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया। चार्जशीट्स में विरोधाभासी बातें सामने आईं और अभियोजन पक्ष अदालत में अपना पक्ष मजबूती से नहीं रख सका।

इन सबका परिणाम यह हुआ कि वे लोग जो सालों से दोषियों को सजा दिलाने की उम्मीद में अदालतों के चक्कर काट रहे थे, उन्हें अंत में निराशा ही हाथ लगी। क्या इस देश में किसी आम आदमी की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या पीड़ित परिवारों की आंखों के आँसू, उनकी टूटती उम्मीदें और उनके जीवन की असुरक्षा हमारी व्यवस्था को झकझोरने के लिए काफी नहीं?

यह कोई पहला मामला नहीं है जहां न्याय व्यवस्था ने पीड़ितों को न्याय दिलाने में असफलता दिखाई हो। भोपाल गैस त्रासदी, हाशिमपुरा नरसंहार, 1984 सिख दंगे, और निठारी हत्याकांड झ यह सभी उदाहरण हैं जहां या तो दोषी छूट गए या न्याय मिलने में इतनी देर हुई कि उसका कोई अर्थ ही नहीं बचा। यह सबूत हैं कि हमारी न्यायिक प्रणाली में समय, साक्ष्य और सत्य झ तीनों की कमी होती जा रही है।

न्याय केवल अदालत में फैसले देने की प्रक्रिया नहीं है, वह समाज के उस विश्वास की रीढ़ है जो शासन और प्रशासन पर टिका होता है। यदि बार-बार अपराधी बच निकलें, यदि आतंकवादी छूट जाएं, और यदि पीड़ित सालों अदालतों की सीढ़ियां चढ़ते रहें तो वह विश्वास ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है।

मुंबई ट्रेन धमाके की जांच जिस प्रकार से की गई, वह बताता है कि हमारी जांच एजेंसियां न केवल तकनीकी रूप से कमजोर हैं, बल्कि वे राजनीतिक दबाव में काम करने के लिए अभिशप्त भी हैं। भारत में जांच का ढांचा ब्रिटिशकालीन मानसिकता पर आधारित है, जिसमें अपराधी को पकड़ने से ज्यादा उसे "दिखाने" पर जोर होता है। और जब मामला आतंकवाद से जुड़ा हो, तो कई बार बेकसूरों को पकड़ कर जनता के गुस्से को शांत करने की कोशिश की जाती है। इससे असली अपराधी कभी पकड़ा ही नहीं जाता, और सारा केस अदालत में दम तोड़ देता है।

इस मामले में भी कई ऐसे पहलू हैं जो चिंता पैदा करते हैं। जैसे झ जांच में देरी, सबूतों का वैज्ञानिक तरीके से संग्रह न होना, अभियुक्तों के विरुद्ध पर्याप्त तकनीकी साक्ष्य न होना, और गवाहों का मुकर जाना। इन सब कमियों के बावजूद यदि हम न्याय की उम्मीद करें, तो यह केवल छलावा होगा।

क्या न्यायपालिका को केवल मौन दर्शक बने रहना चाहिए? क्या उसका कोई दायित्व नहीं कि वह जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए? जब अदालतों ने कई अन्य मामलों में विशेष जांच दल (रक्ळ) गठित किए हैं, तो फिर इस गंभीर मामले में क्यों नहीं? न्यायिक सक्रियता केवल राजनैतिक मामलों या नागरिक अधिकारों तक ही सीमित क्यों?

वास्तव में न्याय प्रणाली को समयबद्ध, वैज्ञानिक और जवाबदेह बनाने के लिए एक सम्पूर्ण सुधार की आवश्यकता है। सबसे पहले तो अभियोजन विभाग को पुलिस से अलग कर स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अभियोजन किसी राजनीतिक दबाव या पुलिस की एकतरफा जांच का हिस्सा नहीं बनेगा।

दूसरे, गवाह सुरक्षा कानून को प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। आतंकवाद जैसे मामलों में गवाहों को धमकाना बहुत आम है, जिससे वे अदालत में बयान बदल देते हैं। तीसरे, जांच एजेंसियों को तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण दिए जाने चाहिए ताकि वे डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्यों को प्रभावी रूप से इकट्ठा कर सकें। चौथे, फास्ट ट्रैक अदालतें बनाकर ऐसे मामलों की सुनवाई समयबद्ध तरीके से करनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को 19 साल तक न्याय की प्रतीक्षा न करनी पड़े। और पांचवां, यदि कोई जांच एजेंसी जानबूझकर कमजोर चार्जशीट बनाती है, तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पक्ष है झ मीडिया की भूमिका। मीडिया को भी आत्ममंथन करना होगा। जब कोई मामला अदालत में हो, तब मीडिया द्वारा किसी को दोषी या निर्दोष घोषित कर देना, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करता है। मीडिया ट्रायल से गवाहों पर दबाव बनता है और जनता का पूर्वग्रह उभरता है। यह भी कारण है कि न्याय अपने नैतिक स्वरूप से दूर होता जा रहा है। आखिर में यही कहा जा सकता है कि न्याय केवल कागजी प्रक्रिया नहीं है, वह एक जीवंत विश्वास है, जो प्रत्येक नागरिक के मन में इस सोच के साथ पलता है कि कोई उसके साथ अन्याय नहीं कर सकता। जब यह विश्वास टूटता है, तब देश की आत्मा घायल होती है।

मुंबई ट्रेन धमाकों के पीड़ितों के साथ जो हुआ, वह केवल एक अदालती मामला नहीं है झ वह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि यदि अब भी हमने अपनी व्यवस्था को नहीं सुधारा, तो अगली बार फिर कोई धमाका होगा, फिर निर्दोष मारे जाएंगे, फिर कोई माँ न्याय की भीख मांगेगी, और फिर कोई अदालत कहेगी झ साक्ष्य नहीं मिले। इस बार अगर हम नहीं जागे, तो इतिहास बार-बार यह प्रश्न पूछेगा झ क्या भारत में न्याय केवल सुविधा भर है?

जल संकट : टिकाऊ प्रबंधन की अनिवार्यता

-डॉ. शैलेश शुक्ला-

विश्व बैंक (2025): विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट (अप्रैल 2025) में कहा गया है कि भारत, जो विश्व की 18% आबादी का घर है, के पास केवल 4% जल संसाधन उपलब्ध हैं, जिससे यह विश्व के सबसे अधिक जल-तनावग्रस्त देशों में से एक है। जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 2.2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल की पहुंच से वंचित हैं और 4.2 अरब लोगों को स्वच्छता सुविधाओं का अभाव है। भारत में, नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट ने चेतावनी दी थी कि 2030 तक देश के 40% से अधिक हिस्से में गंभीर जल संकट हो सकता है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहर पहले ही डे जीरो की स्थिति का सामना कर चुके हैं, जहां जल स्रोत पूरी तरह सूख गए। यह आंकड़ा और भी भयावह है : भारत में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1951 में 5,177 घन मीटर से घटकर 2025 में केवल 1,341 घन मीटर रह गई है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। जल संकट अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। इस संपादकीय में, हम जल संकट के कारणों, प्रभावों और टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा करेंगे, साथ ही भारत के संदर्भ में व्यावहारिक समाधानों का प्रस्ताव देंगे।

जल संकट के पीछे कई परस्पर जुड़े कारक हैं। सबसे पहले, जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण ने जल की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया है। भारत की जनसंख्या 1.4 अरब को पार कर चुकी है और 2030 तक 50% से अधिक लोग शहरों में रहने लगेंगे। शहरी क्षेत्रों में पानी की खपत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक है, क्योंकि औद्योगीकरण, घरेलू उपयोग और जीवनशैली में बदलाव ने जल की मांग को बढ़ाया है।

दूसरा, जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को बाधित किया है। अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ की बढ़ती घटनाएं जल संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में भारत के कई हिस्सों में मानसून की बारिश औसत से 10-15% कम रही, जिसने जलाशयों और भूजल स्तर को और कम कर दिया।

तीसरा, जल संसाधनों का अति-दोहन एक प्रमुख समस्या है। भारत में 80% से अधिक पेयजल और सिंचाई भूजल पर निर्भर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, देश के 17 राज्यों में भूजल स्तर अति-दोहन की श्रेणी में है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्य, जो भारत के खाद्यान्न उत्पादन का केंद्र हैं, सबसे अधिक प्रभावित हैं।

चौथा, जल प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गंगा, यमुना और अन्य प्रमुख नदियां औद्योगिक कचरे, सीवेज और कृषि रसायनों से प्रदूषित हो चुकी हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70% सतही जल प्रदूषित है, जिससे पेयजल की कमी और बढ़ रही है।

अंत में, नीतिगत और प्रशासनिक कमियां भी जिम्मेदार हैं। जल प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का अभाव, विभिन्न विभागों में समन्वय की कमी और अवैध जल उपयोग को रोकने में नाकामी ने संकट को गहरा किया है।

जल संकट के प्रभाव : जल संकट के प्रभाव बहुआयामी हैं। सबसे पहले, यह स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है। दूषित पानी के सेवन से डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष 4 लाख से अधिक लोग जलजनित बीमारियों के कारण मरते हैं।

दूसरा, जल संकट कृषि और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत में 60% से अधिक कृषि सिंचाई पर निर्भर है और भूजल की कमी ने फसल उत्पादन को कम किया है। 2019 में, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में सूखे के कारण लाखों किसान प्रभावित हुए, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई।

तीसरा, जल संकट सामाजिक असमानता को बढ़ाता है। गरीब और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को स्वच्छ पानी की सबसे अधिक कमी झेलनी पड़ती है। महिलाएं और बच्चियां, जो अक्सर पानी लाने की जिम्मेदारी संभालती हैं, को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी शिक्षा और आजीविका पर असर पड़ता है।

चौथा, जल की कमी औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। जल-गहन उद्योग जैसे कपड़ा, चमड़ा और बिजली उत्पादन पानी की कमी के कारण उत्पादन में कटौती कर रहे हैं। यह रोजगार और जीडीपी पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता : जल संकट से निपटने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन अपरिहार्य है। टिकाऊ जल प्रबंधन का अर्थ है जल संसाधनों का ऐसा उपयोग जो वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे, साथ ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करे। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं : -

1. जल संरक्षण और पुनर्जनन : जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना आवश्यक है। भारत में, जहां औसतन 1,170 मिमी वार्षिक वर्षा होती है, वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर को पुनर्जनन किया जा सकता है। तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में वर्षा जल संचयन की सफल कहानियां प्रेरणादायक हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के अलवर जिले में तारुण भारत संगठन ने पारंपरिक जोहड़ों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर को 6-8 मीटर तक बढ़ाया है।

2. भूजल प्रबंधन : भूजल के अति-दोहन को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे। भूजल पुनर्भरण के लिए कृत्रिम रिचार्ज संरचनाएं, जैसे चेक डैम और तालाब, बनाए जाने चाहिए। साथ ही, किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

3. नदियों और जलाशयों का संरक्षण : नदियों के प्रदूषण को कम करने के लिए औद्योगिक कचरे और सीवेज के उपचार को अनिवार्य करना होगा। नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, जलाशयों के अवसादन को रोकने के लिए वनीकरण और मृदा संरक्षण पर ध्यान देना होगा।

4. जल उपयोग में दक्षता : शहरी क्षेत्रों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटरिंग और लीकेज नियंत्रण आवश्यक है। बेंगलुरु जैसे शहरों में 40% से अधिक पानी पाइपलाइन लीकेज के कारण बर्बाद हो जाता है। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर जल-बचत उपकरणों, जैसे कम-प्रवाह वाले शावर और शौचालय, को बढ़ावा देना होगा।

5. नीतिगत सुधार : जल प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय जल नीति की आवश्यकता है, जो केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करे। जल को एक सामुदायिक संसाधन के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, न कि निजी संपत्ति के रूप में। साथ ही, जल उपयोग के लिए मूल्य निर्धारण नीति लागू की जानी चाहिए, जो अति-उपयोग को हतोत्साहित करे।

यौन शोषण के आरोपी की क्लाइंट लिस्ट में ट्रम्प, उनकी शादी में भी हुआ था शामिल

एपस्टीन को बर्थडे पर नेकेड गर्ल की भेजी थी फोटोग्राफ

वॉशिंगटन / एजेंसी।

नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोपी जेफ्री एप्स्टीन की फाइल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम होने का दावा किया जा रहा है। अमेरिकी वेबसाइट्स सीएनएन और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने खुद राष्ट्रपति ट्रम्प को मई महीने में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं थी, क्योंकि जो दस्तावेज बॉन्डी ने राष्ट्रपति को दिखाए थे, उनमें ट्रम्प का नाम पहले से ही मौजूद था। इससे पहले बुधवार को ट्रम्प और एपस्टीन की कई पुरानी तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें से कुछ तस्वीर से पता चला कि एपस्टीन 1993 में ट्रम्प की दूसरी शादी में शामिल हुआ था। यह खुलासा उस वक्त हुआ है जब कुछ दिन पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह रिपोर्ट छापी थी कि 2003 में ट्रम्प ने एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर उन्हें एक चिट्ठी लिखी थी, जिसमें एक लड़की की न्यूड फोटो थी। हालांकि ट्रम्प ने इस चिट्ठी को लिखने की बात से इनकार किया है।

एपस्टीन की क्लाइंट लिस्ट में होने का मतलब क्या है: एपस्टीन की 'क्लाइंट लिस्ट' से मतलब उन लोगों की एक लिस्ट से है, जो उसके यौन शोषण और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। एपस्टीन पर यह आरोप लगे थे कि वह नाबालिग लड़कियों को लोगों तक पहुंचाता था और उनका शोषण करता था। एप्स्टीन की 'क्लाइंट लिस्ट' इसलिए चर्चा में रहती है, क्योंकि कहा जाता है कि इसमें कई बड़े और मशहूर लोगों के नाम हैं। जैसे राजनेता, अमीर कारोबारी, या दूसरी प्रभावशाली हस्तियां।

ट्रम्प ने फर्जी खबर कहकर खारिज किया

प्लाजा होटल में हुए इस इंवेट में एपस्टीन की मौजूदगी के बारे में अब तक ज्यादा जानकारी नहीं थी। सीएनएनएन ने इसे लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प से पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम मजाक कर रहे हो, और फिर बार-बार इसे फर्जी बताकर फोन काट दिया। व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर स्टीवन चेउंग ने इन खुलासों को खारिज करते हुए कहा- ये सिर्फ बिना संदर्भ के तस्वीरें और वीडियो हैं, जिनका इस्तेमाल गलत नजरिया बनाने के लिए किया जा रहा है।

कभी एपस्टीन के जिगरी दोस्त थे ट्रम्प

ट्रम्प और एपस्टीन की मुलाकात भी एक पार्टी में ही हुई थी। 2002 में ट्रम्प ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कहा था- मैं जेफ को 15 साल से जानता हूं, कमाल का आदमी है। हम दोनों को कम उम्र की खूबसूरत लड़कियां पसंद हैं। यह बयान बाद में ट्रम्प के लिए मुसीबत बन गया। 1992 में ट्रम्प ने फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसोर्ट में एपस्टीन और चीयरलीडर्स के साथ एक पार्टी की। 2019 में एनबीसी ने इसका एक फुटेज जारी किया था। जिसमें ट्रम्प, एपस्टीन को एक महिला की ओर इशारा करते दिखते हैं और झुककर कहते हैं- देखो वह बहुत हॉट है।

एपस्टीन के जेट से यात्रा करते थे ट्रम्प

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ट्रम्प ने सात बार एपस्टीन के प्राइवेट जेट से ट्रैवल किया था। न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प ने ये सफर 1993 से 1997 के बीच किया था। हालांकि, ये उड़ानें ज्यादातर पाम बीच और न्यूयॉर्क के बीच थीं। ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने कभी एपस्टीन के प्राइवेट आइलैंड का टूर नहीं किया और न ही कोई गलत काम किया।

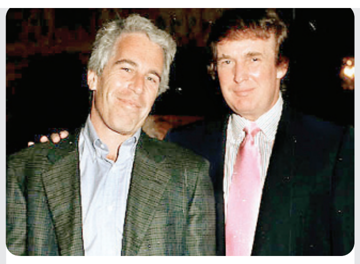

ट्रम्प और एपस्टीन की दोस्ती में दरार

ट्रम्प- एपस्टीन की दोस्ती के बीच दरार 2004 में फ्लोरिडा के पाम बीच पर बनी प्रॉपर्टी हाउस ऑफ फ्रेंडशिप के कारण आई। यह संपत्ति नर्सिंग होम मैग्नेट एबे गोस्मैन की थी, जो दिवालियापन की वजह से नीलामी हो रही थी। ट्रम्प-एप्सटीन दोनों इस 6 एकड़ की प्रॉपर्टी को खरीदना चाहते थे। ट्रम्प ने इसे अमेरिका में सबसे बेहतरीन जमीन बताया था। उनका इरादा इसे खरीदकर नए तरह से ट्रांसफार्म करना और फिर बेचने का था, जबकि एप्सटीन वहां रहना चाहता था। ट्रम्प ने टेलीफोन से हिस्सा लिया। एपस्टीन के ओर से तीन वकीलों ने बोली लगाई। ट्रम्प ने 356 करोड़ की बोली के साथ प्रॉपर्टी हासिल कर ली थी।

शिव मंदिर को लेकर कंबोडिया-थाइलैंड के बीच ठनी

कंबोडियाई सैनिकों की फायरिंग में 12 थाई लोगों की हुई मौत

थाईलैंड सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है, एफ-16 विमान तैनात किया

बैंकॉक/नोम पेन्ह / एजेंसी।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच गुरुवार सुबह सीमा पर गोलाबारी हुई है। कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत हो गई है। वहीं 14 घायल हैं। थाईलैंड ने जवाब में कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। दोनों देशों ने एक दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया है। कंबोडिया के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि थाई सैनिकों ने सुबह गोलीबारी की, जबकि थाई सेना ने कहा कि कंबोडिया ने पहले ड्रोन से हमला किया और फिर तोप और लंबी दूरी के बीएम 21 रॉकेटों से हमला किया। हमले को देखते हुए थाईलैंड ने बॉर्डर पर एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किया है। इस साल 28 मई को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच विवाद जारी है। इसी विवाद की वजह से इंडोनेशिया की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा को भी पद से हटाया गया था।

थाईलैंड ने 40 हजार नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया: हमले के बाद थाईलैंड ने सीमा से लगे 86 गांवों से लगभग 40 हजार नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। वहीं, कंबोडिया में रहने वाले थाई लोगों को भी अपने देश लौटने की अपील की गई है। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है।

क्या है शिव मंदिर विवाद

दोनों बौद्ध देशों की सीमा पर स्थित प्रीह विहार मंदिर है। दरअसल, यह एक 1000 वर्ष प्राचानी हिन्दू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। इसे शिव मंदिर भी कहते हैं और यह यूनेस्को की सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल है। यह एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। इस मंदिर में 800 सीढ़ियां हैं। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी ईस्वी के पूर्वार्ध में हुआ था। हालांकि, इसका जटिल इतिहास 9वीं शताब्दी से जुड़ा है। मंदिर का निर्माण खमेर साम्राज्य के राजा यशोवर्मन प्रथम के शासनकाल के दौरान शुरु हुआ और बाद में अन्य राजाओं द्वारा इसे पूरा किया गया।

यूनेस्को के कदम से तनाव और गहराया

इस मंदिर पर थाइलैंड शुरू से ही अपना दावा करता रहा है। 1959 में कंबोडिया इस मामले को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट पहुंचा, जहां तीन सालों तक ये मामला चला, फिर 1962 में कंबोडिया के पक्ष में फैसला सुनाया गया। थाइलैंड ने इंटरनेशनल कोर्ट का फैसला तो मान लिया, लेकिन मंदिर के आसपास के इलाकों को लेकर अड़ गया और वहां की करीब 4.6 वर्ग किमी जमीन पर अपना कब्जा ठोक दिया। यह विवाद 2008 में तह और गहरा गया, जब ह्श्वस्ह्ह ने इस ऐतिहासिक मंदिर को अपनी विरासत सूची में शामिल कर लिया।

फ्लाइट में थाई महिला ने बच्चे को दिया जन्म

मुंबई / एजेंसी।

मस्कट से मुंबई आ रहा था एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान

एअर इंडिया एक्सप्रेस की गुरुवार को मस्कट से मुंबई आ रही फ्लाइट में सफर कर रही एक थाई महिला ने बच्चे को जन्म दिया। एयरलाइन ने बताया कि महिला को फ्लाइट के दौरान अचानक लेबर पेन शुरू हुआ और उस उनके केबिन क्रू ने तुरंत हालात संभाले और डिलीवरी में मदद की। इस दौरान एक नर्स भी फ्लाइट में थी, जिसने क्रू की मदद की। पायलटों ने मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल से जल्दी लैंडिंग की इजाजत मांगी, ताकि मां और बच्चे को तुरंत इलाज मिल सके। फ्लाइट के उतरते ही दोनों को पास के अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन का एक स्टाफ भी उनके साथ गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस का कहना है कि उनके क्रू को ऐसे हालात के लिए खास ट्रेनिंग दी जाती है। उसी ट्रेनिंग की वजह से मां और बच्चे की सुरक्षा ठीक से हो सकी।

बच्चा 24 हफ्ते का प्री मेच्योर था: नर्स शेरिल ने बताया कि महिला की डिलीवरी में कई परेशानियां आई क्योंकि विमान में जरूरी मेडिकल किट नहीं थी। बच्चा 24 हफ्ते का प्री मेच्योर था। ऐसा पहली बार हुआ जब मैंने किसी प्रेग्नेंट महिला की डिलीवरी फ्लाइट में कराई।

इससे पहले 2022 में लंदन-कुवैत फ्लाइट में बच्चे का हुआ था जन्म

इससे पहले 2 अगस्त 2022 में लंदन से कुवैत जा रही महिला ने को विमान में एक बच्चे को जन्म दिया था। उस समय फ्लाइट 35 हजार की ऊंचाई पर थी। डिलीवरी पैसेंजर्स में मौजूद दंपती नर्स ने कराई थी। नर्स और महिला दोनों का नाम शेरिल था। ब्रिटेन के स्टोक ऑन ट्रेंट में रहने वाले दंपती शेरिल और रुएल पास्कुआ लंदन से कुवैत और फिर वहां से फिलीपींस जा रहे थे। फ्लाइट में पहले से एक नर्स कपल मौजूद था, जिन्होंने महिला की मदद की।

रेल मंत्री वैष्णव ने सांसद गिरधारी लाल को दी जानकारी

पटना से दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई के लिए चलाई 17 नई ट्रेनें

नई दिल्ली / एजेंसी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद गिरधारी यादव को पत्र लिखकर जानकारी दी है कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार के रेलवे नेटवर्क का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

वर्ष 2014 के बाद यहां लगभग 1,900 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण हुआ। 2025-26 में राज्य को रिकॉर्ड 10,066 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया। बिहार में 13 वंदे भारत एक्सप्रेस, 5 अमृत भारत एक्सप्रेस और एक नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन प्रारंभ किया गया है। साथ ही मोदी जी की सरकार ने 2014 के बाद पटना से दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई के लिए 17 ट्रेनें चलाई हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गिरधारी यादव को लिखे गए पत्र में उन ट्रेनों की सूची की संलग्न की है, जिनका परिचालन पटना से होता है।

इन ट्रेनों में शामिल हैं

- सहरसा-आनंद विहार एक्सप्रेस (15529/15530)
- मालदा टाउन- आनंद विहार एक्सप्रेस (13429/13430)
- पटना-बैंगलोर प्रीमियम एक्सप्रेस (22353/22354)
- जयनगर-लोकमान्य तिलक जनसाधारण एक्सप्रेस (15547/15548)
- नाहरलगुन- नई दिल्ली एक्सप्रेस (22411/22412)
- पटना- मुंबई सीएसटीएम सुविधा एसी एक्सप्रेस (22355/ 22356)
- अगरतला- आनंद विहार एक्सप्रेस (14019/14020)
- पटना-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस (22913/22914)
- अगरतला-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस (20501/20502)
- मधुपुर-आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस (12235/12236)
- पटना- बनासवाड़ी हमसफर एक्सप्रेस (22353/ 22354)
- आनंद विहार- मधुपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22465/ 22466)
- आनंद विहार-मधुपुर हमसफर एक्सप्रेस (22459/ 22460)
- गोड्डा-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस (22311/22312)
- लोकमान्य तिलक-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस (11015/11016)
- राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस (22361/ 22362)
- बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस (15567/ 15568)

रेणुकास्वामी मर्डर :कर्नाटक हाईकोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा फटकारा

दर्शन को बेल देने पर कहा,कोर्ट ने पावर का गलत इस्तेमाल किया

नई दिल्ली /

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा को बेल देने के फैसले पर दूसरी बार फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट ने रेणुकास्वामी मर्डर में ज्यूडिशियल पावर का गलत इस्तेमाल किया है। इससे पहले 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से एक्टर दर्शन को मिली बेल पर सवाल उठाए थे। इस दौरान कहा था कि लगता है हाईकोर्ट ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल नहीं किया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर की बेल रद्द करने का फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल, एक्टर दर्शन को रेणुकास्वामी मर्डर केस में 13 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे।

हाईकोर्ट जज से ऐसी गलती स्वीकार्य नहीं

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने गुरुवार को कहा- वे हाईकोर्ट वाली गलती नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा के वकील से कहा- हम दोषसिद्धि या बरी करने का कोई फैसला नहीं देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के दिसंबर 2024 के जमानत आदेश की भाषा पर भी नाराजगी जताई।

अमरनाथ का हिमलिंग पिघला

3.50 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू / एजेंसी।

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में तीन लाख पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महज 22 दिनों में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। हिमलिंग की ऊंचाई यात्रा शुरू होने से पहले लगभग बाईस फीट थी, जो मौसम की वजह से जल्दी पिघल गया।

अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने गुफा में लोहे की ग्रिल लगाना, हेलीकॉप्टर को 5 किमी दूर उतारना जैसे संरक्षण उपाय किए।श्रद्धा की शक्ति को न हिम पिघला सकता है और न ही मौसम की मार इसे नष्ट कर सकती है। इसका प्रमाण है कि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा, जिसमें महज 21 दिनों में ही 3.5 लाख श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, भले ही इस बार हिमलिंग यात्रा शुरू होने के सिर्फ 8 दिन बाद ही पूरी तरह पिघल गया हो।यात्रा प्रारंभ होने से पहले हिमलिंग की ऊंचाई लगभग 22 फीट थी। लेकिन मौसम की अनिश्चितताओं के चलते वह जल्दी ही विलीन हो गया।बावजूद इसके हिमलिंग को ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रख पाना संभव नहीं हो सका। पहले भी पिघला, फिर भी आस्था की यात्रा रुकी नहीं।

एयर इंडिया विमान हादसे में इकलौते बचे विश्वास कुमार अभी तक सदमे में

पिता बोले, बेटा रात-रातभर नहीं सोता, चिंता में उसकी मां भी बीमार

अहमदाबाद / एजेंसी।

अहमदाबाद विमान हादसे को डेढ़ महीना हो गया है, लेकिन कई पीड़ित परिवार अभी भी 270 लोगों की जान लेने वाली इस त्रासदी के सदमे से उबर नहीं पाए हैं। कुछ ऐसा ही हाल विमान हादसे में इकलौते बचे शख्स विश्वास कुमार भालिया का है, जिन्होंने हादसे में अपने भाई अजय को अपनी आंखों के सामने मरते देखा। विश्वास अब तक सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

उनके परिवार का कहना है कि विश्वास को नींद नहीं आती। रात-रातभर जागते रहते हैं। इस वजह से उसका एक छोटे बच्चे की तरह हर समय ध्यान रखना पड़ रहा है। परिवार के अलावा दोस्त भी लगातार उनका हौसला बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

पिता बोले-विश्वास को मानसिक आघात पहुंचा

मीडिया ने विश्वास के पिता रमेशभाई भालिया से फोन पर बात की तो उन्होंने भी बेटे की हालत को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि बेटा विश्वास अपने कमरे तक ही सीमित होकर रह गया है। वह ज्यादातर समय वहीं बिताता है। उसे मानसिक आघात पहुंचा है, जिससे वह अब तक उबर नहीं पाया है। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उसने अपनी आंखों से कितना भयावह दृश्य देखा था। उन्होंने बताया, हादसे में सगे भाई की भी मौत हो गई।

आज का इतिहास

- 1689: फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1722: फादर्स रैली वार मेन और मैसाचुसेट्स सीमा के साथ आरम्भ हुआ।
- 1759: युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने फ्रांस से फोर्ट नीयाग्रा पर कब्जा कर लिया।
- 1813: भारत में पहली बार नौका दौड़ प्रतियोगिता कलकत्ता (अब कोलकाता) में आयोजित हुई।
- 1837: इलेक्ट्रिक टेलिग्राफ के इस्तेमाल का पहली बार सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।
- 1854: वाल्टर हंट को पहले पेपर शर्ट कॉलर का अमेरिकी पेटेंट हासिल हुआ।
- 1893: कोरिंथ नहर को औपचारिक रूप से खोला गया था।

तकनीक

यह एयरोबाइक डीजल से भी उड़ेगी, टॉप स्पीड: 200किमी/घंटा, स्प्लेंडर से 4 गुना हल्की

दुनिया की पहली एयरबाइक, कीमत है 7 करोड़

वारसा / एजेंसी।

पोलैंड की कंपनी वोलोनॉट ने एक नई एयरबाइक बनाई है, जो 200किमी/घंटा की स्पीड से हवा में उड़ सकती है। खास बात ये है कि इसे 4 तरह के फ्यूल से उड़ाया जा सकता है। इसमें डीजल, बायोडीजल, जेट-ए1 और केरोसिन शामिल है। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो शेयर किया है, जिसमें टेक-ऑफ और लैंडिंग दिखाई गई है। एयरबाइक को टॉमस्ज पाटन ने बनाया है, जो जेटसन वन जैसी इलेक्ट्रिक फ्लाइंग मशीन बना चुके हैं। उनका कहना है कि ये एकदम रियल वर्ल्ड स्पीडर बाइक है, जो हवा में तेजी से उड़ सकती है और कहीं भी मूव कर सकती है।

1 अगस्त से बुकिंग शुरू होगी: एयर बाइक की कीमत 8.80 लाख डॉलर (लगभग 7.37 करोड़ रुपए) है। इसकी सिर्फ कुछ ही यूनिट्स बनाई जाएंगी। एयरबाइक को 1 अगस्त 2025 से कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट (टोलोनाट.कॉम) से बुक किया जा सकेगा।

फ्लाइंग बाइक की खास बातें

ये सिंगल-सीटर फ्लाइंग बाइक है, जो फिल्मों की स्पीडर बाइक जैसी दिखती है। इसकी बॉडी कार्बन फाइबर की है और इसे 3डी प्रिंटिंग के जरिए बनाया है। इससे ये हीरो स्प्लेंडर बाइक (120किमी) के मुकाबले 4 गुना हल्की है। इसका वजन सिर्फ 30किलो है और 95किलो तक का वजन उठा सकती है। इस पर राइडर को 360-डिग्री ओपन व्यू मिलता है, जिससे राइडिंग का अलग एक्सपीरियंस मिलता है।

फ्लाइट कंप्यूटर और स्टेबलाइजेशन सिस्टम से कंट्रोलिंग

इसमें जेट टरबाइन का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें घूमने वाले प्रोपेलर्स नहीं हैं, जो इसे यूनीक बनाता है। जेट टरबाइन एक तरह का इंजन होता है, जो हवा को तेजी से खींचकर और बाहर निकालकर एयरबाइक को हवा में उड़ने की ताकत देता है। ये आमतौर पर हवाई जहाजों में इस्तेमाल होता है। कंपनी का कहना हे कि ये 200किमी/घंटा की टॉप स्पीड से उड़ सकती है, लेकिन अमेरिका में इसे एफएए अल्ट्रालाइट नियमों की वजह से 102किमी/घंटा की स्पीड से उड़ाया जा सकेगा।

भारत में 3 कंपनियां बना रहीं

- **शून्य पहली 6 सीटर फ्लाइंग टैक्सी, 160 किमी मैक्सिमम रेंज:** एयरोस्पेस स्टार्टअप सरला एविएशन एयर टैक्सी शून्य पर काम कर रही है। कंपनी इसका प्रोटोटाइप मॉडल इस जनवरी में हुए भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में पेश कर चुकी है।
- **महिंद्रा अगले साल लाएगी पहली एयर टैक्सी:** ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने एक्स पर पोस्ट में कंफर्म किया था कि 2026 तक भारत को उसकी पहली इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी मिल जाएगी।
- **हाइब्रिड फ्लाइंग कार घर की छत से भी उड़ सकेगी:** भारत में चेन्नई स्थित विनाटा एयरोमोबिलिटी कंपनी हाइब्रिड फ्लाइंग कार बना रही है।

मालदीव के राष्ट्रपति के साले के विवादित बोल

अब्दुल्लाह ने मोदी को इस्लाम का दुश्मन बताया

माले / एजेंसी।

मालदीव के अखबार अधाधु की रिपोर्ट के मुताबिक विवाद बढ़ने के बाद अब्दुल्लाह ने सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दी। पीएम मोदी 25 जुलाई को मालदीव के दौरे पर जाने वाले हैं। यहां वे 26 जुलाई को होने वाले मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। शेख अब्दुल्लाह ने एक्स पर की गई पोस्ट में लिखा था- मोदी इस्लाम के सबसे बड़े दुश्मन हैं, वे आतंकवादी हैं। उन्होंने बाबरी मस्जिद गिराई है, पुरानी मुस्लिम जमीनों को लूटा और अहमदाबाद को कब्रिस्तान में बदल दिया। उन्हें मालदीव बुलाना बड़ी गलती है।

मणिपुर में छह महीने और बढ़ाया गया राष्ट्रपति शासन

नई दिल्ली, आरएनएन। मणिपुर में 6 महीने के लिए राष्ट्रपति शासन बढ़ाया गया है। 13 अगस्त से इसे आगे बढ़ाया जाएगा। अब जनवरी 2026 तक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा। बता दें कि राज्य में 13 फरवरी 2024 से राष्ट्रपति शासन लागू है और संविधान के मुताबिक हर 6 महीने में इसकी संसद से मंजूरी लेनी होती है। मौजूदा मंजूरी 13 अगस्त को खत्म हो रही थी जिसे अब बढ़ाया गया है।

क्रिप्टो मार्केट ने पहली बार छुआ चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा

ट्रंप सरकार की नीतियों से मिली रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो सेक्टर का बाजार मूल्य शुक्रवार को लगभग चार ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। क्रिप्टोकरेंसी डेटा एग्रीगेटर कोइनगेको के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह आंकड़ा क्रिप्टो सेक्टर के लिए एक मिल का पत्थर है। प्रमुख बाजारों में नियामकीय स्पष्टता, निवेशकों के विश्वास में बढ़ोतरी और संस्थागत निवेश के मजबूत प्रवाह ने इस उद्योग को नई बुलंदियों पर पहुंचा दिया है।

अमेरिका ला रहा क्रिप्टो के लिए नियम- अमेरिकी हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव ने गुरुवार को अमेरिकी डॉलर से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी टोकन के लिए एक नियामक ढांचा बनाने के लिए विधेयक पारित किया। इस क्रिप्टोकरेंसी को स्टेबलकॉइन के रूप में जाना जाता है। फिलहाल विधेयक को राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया है। इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा। हार्ग्रेव्य लैंसडाउन के इक्विटी रिसर्च प्रमुख डेरेन नाथन ने कहा कि ट्रंप की नीति आने के बाद क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर नजरिया पूरी तरह से बदल गया है, लेकिन इसके बावजूद सांसद अब भी कुछ हद तक सतर्कता बरत रहे हैं।

बिटकॉइन में आई थी 1.8 प्रतिशत की गिरावट

यह क्षेत्र पिछली बार 3.92 ट्रिलियन डॉलर के संयुक्त बाजार मूल्य पर कारोबार कर रहा था, क्योंकि बिटकॉइन, जो दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है, वह 1.8 प्रतिशत गिर गई थी। दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो टोकन, ईथर, पिछली बार 4.5 प्रतिशत बढ़ा था। पिछले तीन महीनों में यह दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया है।

बिटकॉइन ने इस हफ्ते छुआ रिकॉर्ड स्तर

बिटकॉइन ने इस हफ्ते की शुरुआत में 120,000 डॉलर का आंकड़ा पार कर एक रिकॉर्ड बनाया। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि 2025 के अंत तक यह 200,000 डॉलर तक पहुंच सकता है। क्रिप्टो एक्सचेंज के शेयरों में अंतिम बार 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं खुदरा व्यापार मंच, जो क्रिप्टो ट्रेडों का भी समर्थन करता है, उसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

15851 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी धोखाधड़ी का खुलासा, पकड़ी गई 3558 फर्जी कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 15,851 करोड़ रुपये की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 29 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में फर्जी कंपनियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस तिमाही में केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों ने कुल 3,558 फर्जी कंपनियों का पता लगाया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह संख्या 3,840 थी। अधिकारियों ने बताया कि हर महीने औसतन 1,200 फर्जी कंपनियों का भंडाफोड़ किया गया। यह गिरावट संकेत देती है कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चलाया गया अभियान असरदार साबित हो रहा है। इस तिमाही में की गई कार्रवाई के दौरान 53 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 659 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई। वहीं, पिछले साल की समान तिमाही में 26 गिरफ्तारियां हुई थीं और 549 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई थी।

ऐसे हुई करोड़ों की धोखाधड़ी- जीएसटी व्यवस्था के तहत, कंपनियां अपने आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर चुकाए गए टैक्स को आईटीसी के रूप में क्लेम कर सकती हैं। लेकिन फर्जी कंपनियां सिर्फ इस टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने के लिए बनाई जाती हैं, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान होता है।

कॉर्पोरेट जॉब छोड़ खेती में कमाल कर रही एमबीए पास छोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आज के समय खेती एक जबरदस्त प्रॉफिट वाला बिजनस बनता जा रहा है। काफी लोग अपनी मोटी सैलरी वाली कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर खेती कर रहे हैं और जॉब से ज्यादा कमा रहे हैं। इन्हीं में एक नाम छत्तीसगढ़ की स्मृति चंद्राकर का भी शामिल है। स्मृति ने अपनी कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर पारिवारिक खेती शुरू की। आज उनका टर्नओवर डेढ़ करोड़ रुपये का है। साथ ही वह अपने खेतों में 125 लोगों को रोजगार

भी दे रही हैं। स्मृति कहती हैं, %कौन कहता है कि खेती में फायदा नहीं होता? लोग सोचते हैं कि ये छोटा काम है और इसमें कमाई नहीं है। लेकिन ये सच नहीं है।% स्मृति छत्तीसगढ़ के एक गांव में एक किसान परिवार में पली-बढ़ी। उनका बचपन अपने पिता और दादा के साथ हरे-भरे धान के खेतों में बीता, जहां उन्होंने जीवन और खेती के बारे में अपने पहले सबक सीखे।

5 साल तक की कॉर्पोरेट नौकरी- स्मृति ने रायपुर में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह पुणे चली गईं और वहां से एमबीए किया। एमबीए करने के बाद उन्होंने पुणे में पांच साल तक एक कंपनी में जॉब की। बाद में उन्होंने अपने परिवार के करीब रहने के लिए रायपुर जाने का फैसला किया।

सर्ज प्राइसिंग के चक्कर में वसूल रहा था अनाप-शनाप किराया

हैदराबाद एजेंसी। आप महानगर या बड़े शहरों में रहते हैं और बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं तो इस घटना से आप भी दो-चार हुए होंगे। आपसे कभी बेस फेयर के नाम पर तो कभी सर्ज प्राइसिंग के नाम पर अनाप-शनाप किराया वसूला जाता होगा। हैदराबाद के एक 27 साल के आदमी ने ऐसा

ही कुछ झेला था, लेकिन उसने कोर्ट का रूख किया और बाइक टैक्सी कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीत ली। डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- ने कंपनी को गलत तरीके से व्यापार करने का दोषी पाया। कंपनी एक ही दूरी के लिए अलग-अलग किराया ले रही थी।

कौन है मुकदमा जीतने वाला- उपभोक्ता फोरम में यह मामला के. राजेश ने दायर किया था। वह शहर में आने-जाने के लिए अक्सर बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं। राजेश ने कंपनी के ऐप में एक अजीब चीज देखी। बीते 20 जून को, उन्होंने नल्लाकुंटा से हिमायतनगर के लिए एक राइड बुक की। यह दूरी 2.14 किलोमीटर थी और उनसे 32 रुपये लिए गए। लेकिन, 4 जुलाई को, उन्होंने सिर्फ 300 मीटर की दूरी के लिए राइड बुक की और उनसे फिर से 32 रुपये लिए गए।

उपभोक्ता फोरम में वाद दायर किया- बाइक टैक्सी की इस तरह की किराया नीति के खिलाफ राजेश ने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- , जिसे आम भाषा में उपभोक्ता फोरम कहते हैं, में वाद दायर किया।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा, बदलती पसंदों से फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास जगह बना ली है। फार्मली की %हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025% के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है।

55 प्रतिशत उपभोक्ताओं को प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश- रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदलाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

स्वादयुक्त सूखे मेवे का चलन- सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विकल्पों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। इससे बाजार में स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों की एक नई लहर चल पड़ी है।

इन रुझानों से यह संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अब सेहत पर केंद्रित,

टिकाऊ और सुविधाजनक स्नैक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है, जो बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार अपने उत्पाद पेश कर रहे हैं।

सुपर-स्नैक में परिवर्तन- रिपोर्ट के अनुसार, मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे हैं। 36 प्रतिशत उपभोक्ता उत्तरदाताओं ने भुने हुए और स्वादयुक्त सूखे मेवों को सबसे पसंदीदा नमकीन नाश्ते के रूप में पसंद किया। वहीं 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष रूप से मखाना को चुना, जो आधुनिक समय के सुपर-स्नैक में इस परिवर्तन को दर्शाता है।

मखाना बोर्ड का गठन- यह बढ़ती लोकप्रियता भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की हाल की घोषणा के अनुरूप है। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में मखाना बोर्ड का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य के प्रमुख मखाना उद्योग को बढ़ावा देना है।

चिप्स और वेफर्स की लोकप्रियता बरकरार- हालांकि नए प्रारूप लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन चिप्स और वेफर्स जैसे पारंपरिक विकल्प अभी भी बरकरार हैं। 14 प्रतिशत लोग इन्हें चुनते हैं, इसके बाद 10 प्रतिशत नमकीन और 9 प्रतिशत लोग खाखरा जैसे मल्टीग्रेन स्नैक्स चुनते हैं। मीठे स्नैक्स भी विकसित हो रहे हैं, जबकि चॉकलेट भारत में हमेशा से पसंदीदा रहा है,। मूंगफली का मक्खन, हेजलनट और पिस्ता जैसे मेवे अब स्वाद और स्वास्थ्य के मिश्रण के कारण पसंद किए जा रहे हैं।

ब्रांड लॉयल्टी, जो पहले पारंपरिक बड़ी कंपनियों तक सीमित थी, अब कई प्लेटफॉर्म्स पर फैल रही है। जहां एक ओर ऑफलाइन स्टोर अब भी योजनाबद्ध खरीदारी और खोज का प्रमुख जरिया बने हुए हैं, वहीं क्विक कॉमर्स और इन्फ्लुएंसर-चालित कंटेंट की बदौलत अचानक स्नैकिंग की आदतों में तेजी आई है।

भारतीय चाय की मांग दुनिया में बढ़ी, एफवाय25 में 26 करोड़ किलोग्राम का हुआ निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के चाय निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई है। चार्य बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत से चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.85 प्रतिशत बढ़ा। देश का चाय निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 257.88 मिलियन किलोग्राम (लगभग 26 करोड़ किलोग्राम) हो गया है।

चाय निर्यात का मूल्य 290.97 रुपये पहुंचा- वहीं प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2024 के 258.30 रुपये से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

चाय निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि- कैलेंडर वर्ष जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, चाय निर्यात की मात्रा 256.17 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह जनवरी से दिसंबर 2023 की पिछली अवधि से 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 155.49 मिलियन किलोग्राम रहा। वहीं दक्षिण भारत से यह 11.02 प्रतिशत के साथ 100.68 मिलियन किलोग्राम रहा।

उत्तर भारत से निर्यात में हुई 8.15 प्रतिशत की वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 161.20 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2024 के 149.05 मिलियन किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार, दक्षिण भारत से निर्यात 2025 में 4.92 प्रतिशत घटकर 96.68 मिलियन किलोग्राम रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 101.68 मिलियन किलोग्राम था।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब डॉलर पार, जानें अश्विनी वैष्णव हैदराबाद में और क्या बोले

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। इसमें पिछले 11 वर्षों के दौरान आठ गुना वृद्धि हुई है। वहीं, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में छह गुना वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यह बात कही।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वैष्णव ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तीव्र प्रगति पर भी जोर दिया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। भविष्य की ओर देखते हुए, वैष्णव ने कहा कि पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप, व्यावसायिक स्तर पर, इसी वर्ष बन जाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर देशों में से एक बनने की राह पर है, और उन्होंने सेमीकंडक्टर के लिए आवश्यक पूंजीगत उपकरणों और सामग्रियों पर बढ़ते ध्यान पर भी चर्चा की।

केंद्रीय रेल, सूचना व प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, महज 11 वर्षों में, हमने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को छह गुना बढ़ा दिया है। यह दोहरे अंकों की छ्र्रत्नक्रदर है जिससे कोई भी कॉर्पोरेट ईर्ष्या करेगा। हमने अपने निर्यात को आठ गुना बढ़ाया है, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है, जो विकास

की एक अभूतपूर्व गति है, जो हमारे जैसे बहुत कम देशों ने देखी है।

उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दिया और कहा कि केवल साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक संपूर्ण 4त्र दूरसंचार स्टैक डिजाइन कर सका। आज, यह लगभग 90,000 दूरसंचार टावरों पर स्थापित है, जो दुनिया के कई देशों के नेटवर्क से भी ज्यादा है।

आईटी मंत्री ने कहा कि दूरसंचार पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने 100 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां छात्र 5जी उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामलों पर काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने भारत की विकास गाथा और अगली पीढ़ी के लिए आधार के पांच उदाहरण दिए- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए केंद्र ने लगभग 270 कॉलेजों और संस्थानों को कैडेंस, सिनोप्सिस और सीमेंस के नवीनतम ईडीए उपकरण दिए हैं और यदि स्टार्टअप को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 340 हो जाती है। वैष्णव ने कहा, दुनिया में कहीं भी सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में इतना बड़ा प्रतिभा विकास कार्यक्रम नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के पास इस समय वंदे भारत का तीसरा संस्करण पहले से ही मौजूद है, जिसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता 1 अक्तूबर से होगा लागू, बोले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत-ईएफटीए टीईपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है - समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50

बिलियन अमेरिकी डॉलर- जिससे भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है।

यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने श्वस्नञ्ज देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिए। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है।

इस समझौते में भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

2025 की पहली छमाही में भारत में 108 आईपीओ से 4.6 अरब जुटाए गए; सौदों में 30 प्रतिशत गिरावट के बावजूद लचीलापन कायम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग गतिविधियों ने साल 2025 की पहली छमाही में मजबूती दिखाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में कुल 108 सौदे हुए, जिनसे 4.6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई। भारतीय आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक निजी कंपनी पहली बार जनता को अपने शेयर बेचती है, जिससे वह सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी बन जाती है।

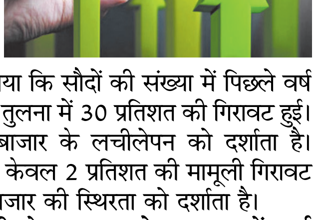

रिपोर्ट में बताया गया कि सौदों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके बावजूद यह बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। हालांकि, फंडरेजिंग में केवल 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई है, जो बाजार की स्थिरता को दर्शाता है।

वैश्विक आईपीओ बाजार के आय में हुई उल्लेखनीय वृद्धि- रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में, वैश्विक आईपीओ बाजार ने 539 सौदे दर्ज किए, जिससे 61.4 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई,।

वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव का पड़ा असर

श्वङ्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रवृत्ति जारीकर्ताओं और निवेशकों दोनों के अधिक चयनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। इसमें कंपनियां अनुकूल बाजार समय और मूल्यांकन रणनीतियों को प्राथमिकता दे रही हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के कारण कई प्रमुख कंपनियों ने अपनी लिस्टिंग को स्थगित कर दिया है या मूल्यांकन पर पुनर्विचार किया है।

दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इसमें कहा गया कि बाजार सहभागियों को 2025 की दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। यह स्थिर बाजार के विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से सहायक सरकारी पहलों से प्रेरित होगा। घरेलू आर्थिक सुधार से आईपीओ बाजार में तेजी की संभावना है क्योंकि निवेशक भावना मजबूत हो रही है और बाजार में अस्थिरता कम हो रही है।

संक्षिप्त

एसीसी की बैठक में वर्चुअली भाग लेगा बीसीसीआई

दुबई, एजेंसी। एशियाई क्रिकेट परिषद के संबंध में सस्पेंस खत्म होता हुआ दिख रहा है। दरअसल, बीसीसीआई ढाका में होने वाली बैठक में वर्चुअली तौर पर हिस्सा लेने को तैयार है। हालांकि, बीसीसीआई ने शुरू में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक का बहिष्कार किया था लेकिन अब वह वर्चुअल बैठक के लिए मान गया है। एशिया कप 2025 के आयोजन स्थल को लेकर गतिरोध निश्चित रूप से चर्चा में आएगा क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात के दुबई, अबुधाबी और शारजाह में मैदान होने के कारण ये एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है। मेजबानी की दौड़ में दूसरा देश श्रीलंका है क्योंकि भारत बांग्लादेश की यात्रा नहीं करेगा।

शार्दुल ठाकुर को टीम में देख भड़के सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनाए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते हुए उस पर चलताऊ जुगाड़ वाली मानसिकता अपनाने का आरोप लगाया है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के बाद भारत ने मैनचेस्टर टेस्ट में शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। सिद्धू ने अपने यूट्यूब चैनल पर इसके लिए टीम मैनेजमेंट को आड़े हाथों लिया। सिद्धू ने कहा, 'आठवें नंबर पर अगर शार्दुल अर्धशतक भी बना दें तब भी बिट्स ऐंड पीसेज क्रिकेटर (कामचलाऊ) वनडे क्रिकेट में तो अच्छा कर सकते हैं लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आपको हमेशा विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

दिग्गजों के साथ इस खास लिस्ट में शामिल हुए केएल राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल इंग्लैंड की धरती पर 1,000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। केएल राहुल ने यह कारनामा इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में किया।

यह मुकाबला मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। केएल राहुल ने इंग्लैंड की सरजमीं पर अब तक 13 टेस्ट मैच खेले, जिसकी 25 पारियों में दाएं हाथ का यह बल्लेबाज 41.40 की औसत के साथ 1035 रन बना चुका है। केएल राहुल इस मामले में दिग्गज भारतीय खिलाड़ियों की फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं। केएल राहुल से पहले यह कारनामा सचिन तेंदुलकर (1,575), राहुल द्रविड़ (1,376), सुनील गावस्कर (1,152) और विराट कोहली (1,096) ने किया था। केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में सात पारियां खेलीं, जिसमें उनके नाम 60.14 की औसत के साथ 421 रन दर्ज हैं।

अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में जगह मिलने पर घर में जश्न का माहौल

करनाल, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड में बुधवार से शुरू हुआ 'एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज' का चौथा टेस्ट हरियाणा के करनाल के युवा क्रिकेटर के लिए बेहद खास है। करनाल के रहने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इस टेस्ट से अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर का आगाज किया है। अंशुल को टेस्ट टीम में मौका मिलने से उनके कोच, उनका परिवार और उनके क्लब के साथी खिलाड़ी बेहद खुश हैं। अंशुल के कोच सतीश राणा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अंशुल कंबोज का टेस्ट में डेब्यू हो चुका है। अंशुल के टीम इंडिया का हिस्सा बनने से हम बेहद खुश हैं। वह 11 साल से लगातार कड़ी मेहनत कर रहा है। कई-कई घंटे तक वह अभ्यास करता था।

ऋषभ पंत के पैर की उंगली में फ्रैक्चर, 6 सप्ताह रहेंगे क्रिकेट से दूर

ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज से हुए बाहर

झटका

- **जरूरत पड़ने पर वे इंजेक्शन लेकर इस टेस्ट मैच में कम से कम दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के पहले दिन टीम इंडिया को एक तगड़ा झटका लगा। टीम के उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के पैर में चोट लगी और वे फिर बल्लेबाजी नहीं कर पाए। अब खबर है कि ऋषभ पंत के पैर की उंगली में जो चोट लगी थी, उसमें फ्रैक्चर पाया गया है। ऐसे में वे टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। कम से कम 6 सप्ताह तक वे क्रिकेट से दूर रहेंगे। हालांकि, रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जरूरत पड़ने पर वे इंजेक्शन लेकर इस टेस्ट मैच में कम से कम दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर सकते हैं।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में जारी चौथे टेस्ट के पहले दिन जब ऋषभ पंत 37 रनों के निजी स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो क्रिस वोक्स की गेंद को रिवर्स स्वीप करने में असफल हुए। गेंद उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास लगी। वे बहुत दर्द में नजर आए। फीजियो मैदान पर आया तो देखा कि पंत के पैर से ब्लड निकल रहा है और तेज दर्द है। ऐसे में ऋषभ पंत को मैदान के बाहर ले जाया गया। खेल खत्म होने के बाद वे स्कैन्स के लिए गए। इसकी जानकारी बीसीसीआई ने भी दी।

वहीं, दूसरे दिन के खेल से पहले क्रिकबज ने रिपोर्ट किया है कि ऋषभ पंत के पैर की उंगली में फ्रैक्चर है और इस वजह से वह टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। करीब दो महीने का समय उनको इस चोट से रिकवर होने में लगेगा। हालांकि, पंत टीम कैंप से बाहर नहीं गए हैं। वह अभी भी अपने चोटिल पैर पर कोई दबाव नहीं डाल पा रहे हैं, जिससे मैच के बाकी मैचों में उनकी उपलब्धता पर गंभीर संदेह है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वह दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करने के लिए उत्सुक हैं और अगर वह बेहतर महसूस करते हैं तो दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं।

इस चोट ने इस सीरीज में भारत की फिटनेस संबंधी चिंताओं की बढ़ती सूची में एक और नाम जोड़ दिया है। नितीश कुमार रेड्डी के अलावा तेज गेंदबाज आकाश दीप (कमर में) और अर्शदीप सिंह (उंगली में) दोनों चोट के कारण चौथे मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। नितीश रेड्डी सीरीज से बाहर हो गए हैं। अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला है। बता दें कि पंत को लॉर्ड्स में पिछले टेस्ट में भी उंगली में चोट लगी थी, जिसके कारण वह विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे, लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी की थी।

ओलंपिक की मेजबानी करना हमारे लिए एक उपलब्धि होगी : पीटी उषा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा है कि भारत को ग्लोबल स्पोर्टिंग पावरहाउस बनाने का 'विजन 2036' ओलंपिक मेजबानी का लक्ष्य रखता है। उन्होंने इसे एक संभावित उपलब्धि बताया है।

पीटी उषा ने कहा, "भारत को विश्व पटल पर खेल के क्षेत्र में पावरहाउस बनाने का हमारा लॉन्ग टर्म लक्ष्य है। यही दृष्टिकोण आज के विषय, भारत की खेल आकांक्षाओं, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के विजन 2036 के केंद्र में है।

उन्होंने कहा, "2036 तक, हम न केवल ओलंपिक में निरंतर सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, बल्कि ओलंपिक गेम्स को भारत में भी लाना चाहते हैं। यह आयोजन हमारे लिए एक उपलब्धि होगी, जो भारत की बढ़ती क्षमता, आत्मविश्वास और वैश्विक खेल उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीटी उषा ने पीएम की बातों को दोहराते हुए कहा, "जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "युवा और खेल भारत के भविष्य के दो इंजन हैं। एक सशक्त खिलाड़ी एक सशक्त राष्ट्र का प्रतिबिंब होता है।

'क्वीन ऑफ ट्रैक एंड फील्ड' और उड़नपरी नाम से मशहूर पीटी उषा ने कहा, "यह शक्तिशाली संदेश हमारी मिशन की भावना को दर्शाता है। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, हम मिलकर एक मजबूत और टिकाऊ एथलेटिक रणनीति बनाएंगे, राज्य और जमीनी स्तर के सिस्टम को और मजबूत करेंगे, डोप-मुक्त खेल का संदेश दूर-दूर तक फैलाएंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि अपनी पृष्ठभूमि या भौगोलिक स्थिति के कारण कोई भी पीछे न छूटे।

मारक्रम और बावुमा करेंगे ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर टीम में वापसी

केपटाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के नियमित सीमित ओवरों के कप्तान एडन मारक्रम और टेम्बा बावुमा अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए क्रमशः अंतरराष्ट्रीय टी-20 और एकदिवसीय टीमों की कमान संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं ने नए संयोजक पैट्रिक मोरीनी के एक अगस्त को काम शुरु करने से पहले ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम की घोषणा कर दी है। एकदिवसीय टीम में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और स्पिनर केशव महाराज शामिल हैं।

महाराज टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। महाराज की जगह बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे और सेनुरन मुथुसामी, जो दोनों इस समय जिम्बाब्वे में हैं, लेग स्पिनर नकाबा पीटर के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए अपने विकल्पों का आकलन कर रहा है। टी-20 में रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स की वापसी हुई। वहीं लुआन-ड्रे प्रीटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में बरकरार रखा गया है।

मारक्रम को जिम्बाब्वे में दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट और टी-20 श्रृंखला से आराम दिया गया था, जबकि बावुमा जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण जिम्बाब्वे टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। दोनों कप्तानों के पास अपेक्षाकृत पूरी क्षमता वाली टीमें उपलब्ध होंगी।

दक्षिण अफ्रीका के नियमित खिलाड़ियों में से, माकर यानसेन और डेविड मिलर ही ऐसे दो खिलाड़ी हैं। जिन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। यानसेन अपने बाएँ अंगूठे की सर्जरी से उबर रहे हैं। उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल में चोट लगी थी, जबकि मिलर द हंड्रेड में खेलेंगे। उनके सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के इंग्लैंड के सफेद गेंद दौरे पर वापसी करने की उम्मीद है।

आयुष म्हात्रे ने बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, ब्रेंडन मैक्कुलम छूटे पीछे

रिकॉर्ड

- **2 मैच की सीरीज में आयुष म्हात्रे ने 85 की औसत और 103.66 के स्ट्राइक रेट के साथ 340 रन बनाए**

चेम्सफोर्ड, एजेंसी। आयुष म्हात्रे, ये नाम आपने आईपीएल 2025 के दौरान सुना होगा, जब सीजन के खत्म होते-होते चेन्नई सुपर किंग्स ने इस युवा खिलाड़ी को मौका दिया था। आयुष ने आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। आईपीएल खत्म होने के बाद 18 साल के इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड में तबाही मचाई। वनडे में भले ही वह अपना जलवा नहीं दिखा पाए हो, मगर रेड बॉल क्रिकेट में उन्होंने अंग्रेजो की खूब धुलाई की। 2 मैच की सीरीज में आयुष म्हात्रे ने 85 की औसत और 103.66 के स्ट्राइक रेट के साथ 340 रन बनाए। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। युथ टेस्ट सीरीज में आयुष म्हात्रे अब 100 के अधिक स्ट्राइक रेट से 300 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैक्कुलम ने 2001 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 मैच की टेस्ट सीरीज में 95.58 के स्ट्राइक रेट के साथ 455 रन बनाए थे। म्हात्रे ने ना सिर्फ उनका रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि 100 के अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बनें।

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट जीतने के लिए भारत के सामने 355 रनों का टारगेट रखा था। इस स्कोर का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी तो गोल्डन डक पर आउट हो गए, मगर आयुष म्हात्रे ने 80 गेंदों पर 126 रनों की पारी खेल इंग्लैंड की सांसे बढ़ा दी थी। जब भारत जीत से 65 रन दूर था तो खराब रोशनी और बारिश के चलते मैच ड्रॉ पर समाप्त करना पड़ा। बता दें, दो मैच की इस टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भी आयुष म्हात्रे ने शतक जड़ा था और वह टेस्ट मैच भी ड्रॉ रहा था।

यूथ टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से रन (कम से कम 300 रन)

प्लेयर	रन	मैच	स्ट्राइक रेट
आयुष म्हात्रे	340	2	103.65
ब्रेंडन मैकुलम	455	3	95.58
एचटी डिक्सन	406	2	88.45
जॉर्डन जॉनसन	358	2	85.44
गौतम गंभीर	331	3	83.16

ऋषभ पंत की चोट बन सकती है विकेटकीपर ईशान किशन के लिए वरदान

2 साल बाद चयनकर्ता दे सकते हैं मौका!

मौका

- **चयन समिति पांचवें टेस्ट से पहले ईशान किशन को टीम में शामिल करेगी**

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन ऋषभ पंत को लगी चोट ने भारत की मुश्किलें बढ़ा दी है। स्कैन के बाद पता चला है कि पंत के पैर में फ्रेंक्चर है जिस वह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो सकते हैं। पंत का इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर होना भारत के लिए बहुत बड़ा झटका है क्योंकि वह टीम के मैच जिताऊ खिलाड़ियों में से एक हैं। ऐसे में अब सवाल उठता है कि उनकी जगह स्क्वॉड में किसे मौका मिलेगा। वैसे तो टीम में ध्रुव जुरेल के रूप में एक विकेट कीपर है, मगर पंत के बाहर होने के बाद भारत को दूसरे विकेट कीपर की भी जरूरत रहेगी। ऐसे में चयनकर्ता उस खिलाड़ियों को मौका दे सकते हैं जो 2 साल से टीम से बाहर बैठा है। यहां हम बात ईशान किशन की कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार "चयन समिति पांचवें टेस्ट से पहले ईशान किशन को टीम में शामिल करेगी क्योंकि पंत अंतिम टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं होंगे, जो 31 जुलाई से 4 अगस्त तक ओवल में खेला जाएगा।" ईशान किशन ने आखिरी टेस्ट जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह लगातार टीम से बाहर चल रहे हैं। बात ऋषभ पंत की इंजरी की करें तो, यह चोट उन्हें तब लगी जब वह 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। क्रिस वोक्स की एक गेंद पर पंत रिवर्स स्वीप मारना चाहते थे, मगर वह चूक गए। ऐसे में गेंद सीधा उनके पैर पर जाकर लगी। इंग्लैंड ने तुरंत LBW के लिए अपील की मगर अंपायर ने नकार दिया। इंग्लैंड ने DRS का इस्तेमाल किया, मगर थर्ड अंपायर से भी उन्हें कोई मदद नहीं मिली क्योंकि गेंद पंत के पैर पर लगने से पहले उनके बैट पर लगी थी।

पंत इस दौरान दर्द से कराह रहे थे। दर्द इतना था कि वह पैर भी जमीन पर नहीं रख पा रहे थे। जैसे ही फीजियो मैदान पर पहुंचे और उनका जूता और जुराब उतारी तो पता चला की चोट गंभीर है। तुरंत उन्हें मिनी एंबुलेंस के जरिए मैदान के बाहर ले जाया गया। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 264 रन बोर्ड पर लगा दिए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट भारत के लिए बेहद अहम है क्योंकि टीम इंडिया सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही है। ऐसे में टीम इंडिया को ऋषभ पंत की कमी खूब खलेगी। बता दें, तीसरे टेस्ट के दौरान भी पंत की उंगली में चोट लगी थी, इसके बावजूद वह चौथा टेस्ट खेलने उतरे थे।

लिवरपूल ने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके को साइन किया

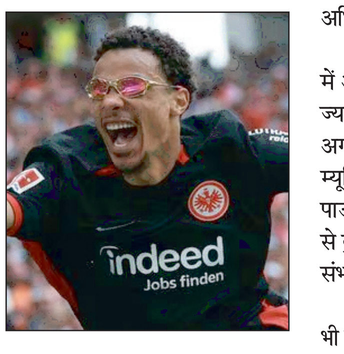

लंदन, एजेंसी। प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल ने बड़ी खरीदारी जारी रखते हुए आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके को साइन कर लिया है। यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ।

लिवरपूल ने बुधवार को सोशल मीडिया पर बताया, "हमने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके के ट्रांसफर के लिए समझौता कर लिया, जो अंतरराष्ट्रीय मंजूरी के अधीन है।"

क्लब ने आगे बताया कि 23 वर्षीय एकिटिके ने मेडिकल टेस्ट पास कर लिया और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति बना ली। अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री-सीजन दौरे पर अपने नए साथियों के साथ हांगकांग जा सकेंगे।

लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के तहत यह गर्मियों में चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विट्र्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग को भी साइन किया गया।

23 वर्षीय फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, जो अटैक की किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं, अब एनफील्ड का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक असिस्ट भी दिए।

लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। हालांकि, अगर लुइस डियाज का बायर्न म्यूनिख में ट्रांसफर 60 मिलियन पाउंड से ज्यादा में होता है, तो इसमें से कुछ की भरपाई मिलने की संभावना है।

इसके अलावा, डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। वहीं, फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री-सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं।

कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है।

चाइना ओपन

अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी सिंधू

सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय हारे

चांगझाऊ, एजेंसी। उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधू को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

रोहतक की इस किशोरी ने 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधू सात साल में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए।

विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। चिराग ने मैच के बाद कहा, 'यह काफी उतार चढ़ाव वाला मैच था और कोई भी टीम किसी भी समय बड़ी बढ़त हासिल नहीं कर पाई। पहले गेम के आखिर में हम लगातार तीन-चार अंक बनाने में सफल रहे। दूसरे गेम के शुरू में हम थोड़ा अधिक धैर्य के साथ खेल सकते थे लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे खुशी है कि हम आखिर में मैच जीतने में सफल रहे।'

बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर उत्साहित दिखे सुनील शेट्टी के बेटे अहान

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाले हैं। अभी इस फिल्म की शूटिंग हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए बताया है कि पुणे में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अहान शेट्टी वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

अहान ने पुणे में पूरी की शूटिंग

शुक्रवार को अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्होंने पुणे में अपनी शूटिंग कंप्लीट कर ली है। अहान ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में लिखा है और क्या है यह बॉर्डर? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में यह कार्यक्रम समाप्त हुआ अब अगले कार्यक्रम पर चलते हैं।

वरुण धवन ने अहान के साथ चाय पी

इससे एक दिन पहले वरुण धवन ने भी बताया था कि पुणे में उन्होंने एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अहान शेट्टी के साथ चाय और बिस्कुट खा रहे थे। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए वरुण धवन ने लिखा बॉर्डर 2 चाय और बिस्कुट। एनडीए में शूटिंग पूरी हो गई है। हमने बिस्कुट के साथ सेलेब्रेट किया है।

पिता की तरह बनना चाहते हैं अहान

कुछ दिनों पहले अहान शेट्टी ने बॉर्डर 2 से जुड़ने के अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा वह अपने पिता की तरह बनना चाहते थे जो बॉर्डर (1997) में नजर आए थे। उन्होंने अपने पिता और अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा हर बेटा कहीं न कहीं अपने बाप जैसा बनना चाहता है। बॉर्डर 2 – 23 जनवरी 2026।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। फिल्म में भारतीय सेना की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

शिल्पा शेट्टी का मॉलीवुड में काम ना करने की वजह का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को कन्नड़ मूवी केडी– द डेविल में देखा जाएगा। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम सिनेमा की फैन होने के बावजूद उन्होंने कभी इसमें काम क्यों नहीं किया! उन्होंने केडी.. के टीजर लॉन्च के मौके पर अपनी हिचकिचाहट के बारे में खुलासा किया। शिल्पा शेट्टी ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से प्रोड्यूसर्स के कई ऑफर्स भी मिले। शिल्पा ने कहा, मैंने कभी उन्हें हां नहीं कहा, क्योंकि मैं डरी हुई थी।

मलयालम सिनेमा से है प्यार

शिल्पा ने बताया कि मलयालम सिनेमा के लिए उनके दिल में बहुत प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे मलयालम सिनेमा बहुत पसंद है और मैं इस बात से हैरान हूं कि ये इंडस्ट्री भावनाओं को कैसे पेश करती है। उन्होंने ये भी बताया कि मलयालम फिल्मों में कहानी और एक्टिंग एक अलग ही लेवल पर होते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे कभी यकीन नहीं हुआ कि अगर मैं इस इंडस्ट्री में काम करूंगी तो अपने किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी। लेकिन देखते हैं, शायद मैं एक दिन कोई मलयालम फिल्म करूंगी।

मोहनलाल संग करना चाहती हैं काम

जब शिल्पा से पूछा गया कि क्या मलयालम इंडस्ट्री में कोई एक्टर है, जिसके साथ वो काम करना चाहेंगी तो उन्होंने मोहनलाल का नाम लिया। उन्होंने कहा, वो शानदार हैं। इतने साल बाद भी वैसे ही दिखते हैं। वो इंडियन सिनेमा के सबसे अमेजिंग एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म नोक्केथाधूराथु कन्नुम नट्टू है।

फिल्म की कास्ट

केडी – द डेविल की बात करें तो इसका निर्देशन प्रेम कर रहे हैं। ध्रुव सरजा की एक्शन से भरपूर इस फिल्म में संजय दत्त, रेशमा नानैया, वी रविचंद्रन और रमेश अरविंद भी हैं।

ऋषभ शेट्टी के साथ सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे आशुतोष गोवारिकर

फिल्म कांतारा से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले ऋषभ शेट्टी ने एक रोमांचक फिल्म साइन की है। खबरों के अनुसार वे बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ काम करेंगे। यह फिल्म व्यापक स्तर पर बनाई जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक आशुतोष गोवारिकर और ऋषभ शेट्टी विजयनगर सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म के जरिए सम्राट कृष्णदेवराय के जीवन की झलक को परदे पर दिखाएंगे। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण एनटीआर बायोपिक, जयललिता बायोपिक और कपिल देव बायोपिक बनाने वाले प्रसिद्ध टॉलीवुड निर्माता विष्णु वर्धन इंदुरी करेंगे।

साउथ और बॉलीवुड के सितारे बनेंगे फिल्म का हिस्सा

आशुतोष गोवारिकर को लगान, स्वदेश और जोधा अकबर जैसी क्लासिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने मोहनजोदड़ो और पानीपत जैसी ऐतिहासिक फिल्में बनाने के लिए भी जाना जाता है। वह श्री कृष्णदेवराय की बायोपिक को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म में कई दक्षिण भारतीय और बॉलीवुड सितारे अहम किरदार अदा करते दिखेंगे।

इन फिल्मों में नजर आएंगे ऋषभ शेट्टी

इस फिल्म को लेकर अभी और अपडेट सामने आना बाकी है। बात करें ऋषभ शेट्टी की तो वे फिल्म कांतारा 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं। फिल्म कांतारा साल 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म का निर्देशन भी खुद ऋषभ शेट्टी ने किया। इसके अलावा ऋषभ फिल्म जय हनुमान में भी नजर आएंगे। फिल्म जय हनुमान का निर्देशन प्रशांत वर्मा कर रहे हैं।

मैंने धुरंधर जैसी फिल्म पहले कभी नहीं देखी

अभिनेता अर्जुन रामपाल अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की किसी भी फिल्म से बिल्कुल अलग है। अभिनेता ने कहा कि ऐसी फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। अर्जुन ने कहा, फिल्म को बनाने से पहले मेकर्स ने काफी रिसर्च किया है। इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया गया है। फिल्म की पूरी टीम ने अपने-अपने काम में पूरी मेहनत की है। फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखने के बाद मैंने निर्देशक आदित्य धर को गले लगा लिया। फिल्म में अर्जुन के अलावा रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अहम किरदार में हैं। अर्जुन ने इस फिल्म में एक ग्रे किरदार निभाया है। ग्रे किरदार उन्हें कहते हैं जो पूरी तरह से अच्छे या बुरे नहीं होते। उनमें दोनों तरह के गुण शामिल होते हैं। अर्जुन ने कहा, फिल्म में मेरे किरदार में थोड़ा गुस्सा और सही-गलत का मिलाजुला भाव होगा, जो दर्शकों के लिए बिलकुल नया और अनोखा होगा। धुरंधर फिल्म को आदित्य धर ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी को लिखा भी है। यही नहीं, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है।

बींदणी में मेरा किरदार बाहर से सख्त और अंदर से नर्म दिल वाला है

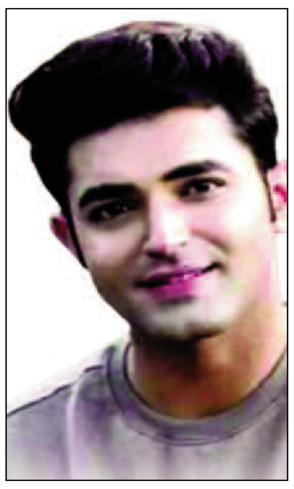

आगामी टीवी शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी – बींदणी में एक्टर आकाश जग्गा शामिल हो गए हैं। इसकी घोषणा शो के मेकर्स ने की। वह सीरियल में लीड किरदार निभाते नजर आएंगे। वह कुंदन नाम के लड़के का किरदार निभाएंगे, जो अंदर से बहुत भावुक है, लेकिन बाहर से सख्त दिखाई देता है। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी ~ बींदणी एक महिला के अपने अस्तित्व को खोजने और साहस के साथ संघर्ष करने की कहानी है। शो का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए आकाश जग्गा ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे सन नियो चैनल के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी~ बींदणी में लीड रोल मिला है। कुंदन का किरदार बहुत ही गहराई वाला है, उसमें कई भावनात्मक परतें हैं। मुझे यकीन है कि जिस तरह मैं इस किरदार से जुड़ाव महसूस करता हूं, उसी तरह दर्शक भी इससे जुड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, जब लेखक और प्रोड्यूसर रघुवीर शेखावत सर ने मुझसे कहा, तुम्हें इस रोल को निभाने में मजा आएगा, इसमें बहुत कुछ करने को है, उनकी ये बात मेरे दिल को छू गई।

यादगार नहीं रहा शनाया का डेब्यू, बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी 'आंखों की गुस्ताखियां'

स्टारकिड शनाया कपूर का बॉलीवुड डेब्यू वैसा नहीं रहा, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। उनकी डेब्यू फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' शुरुआती तीन दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 30 लाख रुपये से अपना खाता खोलने वाली 'आंखों की गुस्ताखियां' बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। फिल्म को वीकेंड का भी कोई लाभ नहीं मिला और शनिवार को जहां फिल्म ने सिर्फ 49 लाख रुपए का कलेक्शन किया। वहीं संडे को छुट्टी वाले दिन फिल्म की कमाई एक बार फिर घट गई। रविवार को अपने तीसरे दिन फिल्म सिर्फ 41 लाख ही जुटा पाई। इस तरह से शुरुआती तीन दिनों में 'आंखों की गुस्ताखियां' का कुल कलेक्शन सिर्फ 1.2 करोड़ रुपये ही हो पाया है। 'आंखों की गुस्ताखियां' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की 'मालिक' और हॉलीवुड फिल्म 'सुपरमैन' से है। 'आंखों की गुस्ताखियां' की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक भी दिन करोड़ में कमाई नहीं कर पाई है।

जहराक बनकर स्क्रीन पर तबाही मचाएंगे करण वीर मेहरा

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म 'सिला' में उनके खलनायक अवतार 'जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

सिला में विलेन की भूमिका

निर्देशक ओमंग कुमार, जो 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब 'सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। जब इंसाफ भी खुद और सजा भी!

करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर करते हुए लिखा – खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है।

कहानी में ट्विस्ट लाने आ रहा है जहराक करण वीर का किरदार 'जहराक' फिल्म में काफी 'खतरनाक', इंटेंस' और 'डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत-परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

तीन चीजों पर काम कर रही हैं करिश्मा तन्ना

करिश्मा तन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है वह तीन चीजों पर काम कर रही है। अपने ऊपर, अपनी जिंदगी पर और अपने सुकून पर। करिश्मा तन्ना की तस्वीरों को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा है आपकी खूबसूरती का तोड़ नहीं। एक और यूजर ने लिखा है खूबसूरती की असली परिभाषा। करिश्मा तन्ना ने साल 2001 में टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय करियर की शुरुआत की। वह साल 2021 में बॉलीवुड फिल्म लाहौर कॉन्फिडेंशियल में नजर आई थीं। वह बाल वीर, एफआईआर और नागिन 3 जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401